RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:158 ता. 12 दिसम्बर 2023, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मोहन यादव होंगे मध्य प्रदेश के नये मुख्यमंत्री

और स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर

-पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायक दल ने लगाई सहमति की मोहर

भोपाल। (एजेंसी)

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कौन विराजमान होगा, इसे लेकर जारी सस्पेंस अब खत्म हो गया. और विधायक दल की बैठक में मोहन यादव के नाम पर सहमति की मोहर लगा दी गई है। इसके साथ ही सीएम के प्रमुख दावेदार रहे नरेंद्र सिंह तोमर को विधानसभा अध्यक्ष होंगे। पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में हुई बैठक में इन नामों पर मोहर लगा दी गई है।

मध्य प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन, को लेकर लंबे समय से चल रहे कयासों पर भी अब पूर्ण विराम लग गया है। विधायक दल की बैठक में सोमवार को मोहन यादव के नाम पर सहमति बनी। मोहन यादव उज्जैन दक्षिण से विधायक हैं। संघ के करीबी होने का उन्हें लाभ मिला है। जानकारी अनुसार विधायक दल की बैठक में शिवराज सिंह चौहान ने ही मोहन यादव के नाम का प्रस्ताव किया। अब यह तय हो गया है कि प्रदेश के मुखिया मोहन यादव होंगे। प्रदेश को अगला मुख्यमंत्री देने जैसे अहम फैसले के लिए भाजपा आलाकमान ने पर्यवेक्षकों की तीन सदस्यीय टीम को भोपाल भेजा था। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, आशा लाकड़ा और के लक्ष्मण शामिल हैं। पर्यवेक्षक आज भोपाल पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और सबसे पहले शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि भाजपा आलाकमान का फरमान खट्टर लेकर आए थे और यही कारण था कि भोपाल पहुंचने के बाद भी जेपी नड्डा लगातार उनके संपर्क में रहे।

बैठक के दौरान नारेबाजी

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में जहां विधायक दल की बैठक चल रही थी, वहीं, कार्यालय के बाहर प्रह्लाद पटेल और शिवराज सिंह चौहान के समर्थक नारेबाजी करते देखे गए। यहां आपको बतला दें कि मुख्यमंत्री की दौड़ में मोहन यादव का नाम नहीं था, जबकि सीएम शिवराज सिंह चौहान के अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, प्रह्लाद पटेल और वीडी शर्मा के नाम प्रमुखता से लिया जा रहा था। इससे पहले कि विधायक दल की बैठक होती प्रह्लाद पटेल के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी, इससे उनके सीएम बनने का अंदेशा भी हुआ था। बहरहाल मोहन यादव के नाम पर मोहर लगाकर सभी को चौंकाने जैसा काम विधायक दल की बैठक से निकले फैसले ने किया है।

मध्य प्रदेश में भाजपा ने विधानसभा चुनाव में प्रत्याशित तौर पर प्रचंड बहुमत हासिल किया है। जहां कांग्रेस और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर दिखाई दे रही थी, वहां कांग्रेस को महज 66 सीटों से संतुष्ट होना पड़ा जबकि भाजपा ने 163 सीटों पर जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया था।

मध्य प्रदेश की तरह राजस्थान भी चौंकाएगा?

राजस्थान भाजपा विधायक दल की बैठकआज

जयपुर। (एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी ने अप्रत्याशित जीत के बाद सीएम की दौड़ में शामिल नेताओं को दरकिनार कर मध्य प्रदेश में डॉ मोहन यादव को बतौर मुख्यमंत्री चुन सभी को चौंकाने वाला काम किया है।यहां विधायक दल की बैठक के बाद लिए गए फैसले से सभी अचंभित हैं और कहा जा रहा है कि भाजपा राजस्थान में भी इसी तरह सीएम का एक नया चेहरा देकर सभी को चौंका सकती है।छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में सीएम के नाम की घोषणा के बाद अब राजस्थान में कल मंगलवार को विधायक दल की बैठक आहुत की गई है।राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर अभी तक सस्पेंस बरकरार है।इस बीच मंगलवार 12 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें सीएम को लेकर फैसला लिया जाएगा।राजस्थान में मंगलवार को होनी वाली भाजपा विधायक दल की बैठक के लिए तीनों पर्यवेक्षक मंगलवार सुबह 11 बजे जयपुर पहुंचेंगे।यहां वो विधायकों से मुलाकात करेंगे और बैठक कर अगले सीएम के नाम की घोषणा करेंगे।बैठक मंगलवार शाम चार बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में बुलाई गई है। इससे पहले दोपहर 01:30 बजे से भाजपा के नव-निर्वाचित विधायकों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा।

सभी विधायकों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश

भाजपा विधायक दल की बैठक में सभी विधायकों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में प्रदेश महामंत्री एवं विधायक भजनलाल शर्मा ने बताया कि सभी नव-निर्वाचित विधायकों को अनिवार्य रूप से विधायक दल की बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत सह-पर्यवेक्षक भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावडे विधायक दल की बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर में उनको अधिकार मिलेगा जिनके साथ 70 साल अन्याय हुआ: अमित शाह

नई दिल्ली राज्यसभा में सोमवार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक-2023 व जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक पर चर्चा हुई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह बिल उन लोगों को अधिकार दिलाएगा जिनसे 70 साल अन्याय हुआ है। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक के जरिए दो सीटें कश्मीरी विस्थापितों के लिए आरक्षित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही इस विधेयक में एक सीट पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों के लिए रखी जाएगी। शाह ने कहा कि पहले जम्मू और कश्मीर विधानसभा में जम्मू की 37 सीटें थीं। यह सीटें अब बढ़कर 43 हो गई हैं। वहीं विधानसभा में कश्मीर से 46 सीटें थीं, वह बढ़कर अब 47 हो गईं है। उन्होंने कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर हमारा अभिन्न अंग है इसलिए पाक अधिकृत कश्मीर के लिए 24 सीटें आरक्षित रखी गई हैं। यानी नए बदलावों से पहले जहां जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 107 सीटें थीं वहीं अब नए बदलावों के उपरांत यह सीटें बढ़कर 114 हो गई हैं। उन्होंने बताया कि पहले दो मनोनीत सदस्य थे अब इनकी संख्या बढ़कर पाँच हो जाएगी। इनमें दो महिलाओं को राज्यपाल मनोनीत करेंगे। वहीं राज्यसभा में इन विधेयकों पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि जम्मू कश्मीर जितना संवेदनशील मुद्दा है सरकार उसको उतनी संवेदनशीलता से नहीं ले रही है।

विद्यार्थी लाल बहादुर शास्त्री के जीवन मूल्यों को अपनाएं-राष्ट्रपति मुर्मू

वाराणसी ।(एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को वाराणसी स्थित महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के विद्यार्थियों से कहा कि वे इस विद्यापीठ के पहले बैच के छात्र रहे दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन मूल्यों को अपनाएं और अपने आचरण में इस पर अमल करें। राष्ट्रपति ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश के रूप में स्थापित करने के राष्ट्रीय संकल्प को सिद्ध करने में 'महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ' के विद्यार्थियों और आचार्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।''

राष्ट्रपति मुर्मू ने वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 45वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा किआपके शिक्षण संस्थान की अत्यंत गौरवशाली विरासत का एक प्रमाण यह है कि दो-दो भारत रत्न इस विद्यापीठ से जुड़े हैं। भारत रत्न डॉक्टर भगवान दास काशी विद्यापीठ के प्रथम कुलपति थे और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री इस विद्यापीठ के पहले बैच के छात्र थे। वस्तुतः काशी विद्यापीठ से वर्ष 1925 में शास्त्री की उपाधि मिलने के बाद से ही उनके नाम के साथ 'शास्त्री' उपनाम जुड़ गया था। राष्ट्रपति ने कहा कि शास्त्री जी ने जनसेवक के रूप में सरलता, निष्ठा, त्याग और दृढ़ता के उच्चतम आदर्श प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इस विद्यापीठ के विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे शास्त्री जी के जीवन मूल्यों के अनुरूप अपने आचरण को ढालेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि हिंदी माध्यम में उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए बाबू शिव प्रसाद गुप्त जी ने काशी विद्यापीठ की अपनी परिकल्पना की चर्चा महात्मा गांधी से की थी और गांधीजी ने उसे सहर्ष अनुमोदन प्रदान किया था।

उन्होंने कहा कि देश की स्वाधीनता के 26 वर्ष पूर्व गांधीजी की परिकल्पना के अनुरूप आत्मनिर्भरता तथा स्वराज के लक्ष्यों के साथ इस विद्यापीठ की यात्रा शुरू हुई थी। राष्ट्रपति ने कहा, ''यह विद्यापीठ, असहयोग आंदोलन से उत्पन्न संस्था के रूप में हमारे महान स्वाधीनता संग्राम का जीवंत प्रतीक है। 'महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ' के आप सभी विद्यार्थीगण, स्वाधीनता संग्राम के हमारे राष्ट्रीय आदर्शों के ध्वज-वाहक हैं।'' उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन की सहायता और नियंत्रण से दूर रहते हुए देशवासियों द्वारा पूर्णतः भारतीय संसाधनों से निर्मित 'काशी विद्यापीठ' का नामकरण 'महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ' करने के पीछे हमारे स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों के प्रति सम्मान व्यक्त करने की भावना निहित है।

संक्षिप्त समाचार

प्रियंका वाड्रा ने गाजा में संघर्ष विराम के लिये हड़ताल करने का आग्रह किया

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को लोगों से फिलिस्तीनी लोगों के नरसंहार को रोकने के लिए गाजा में युद्धविराम की मांग को लेकर दुनियाभर की हड़ताल में भाग लेने का आग्रह किया। एक्स पर एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने कहा कि 11 दिसंबर को फिलिस्तीनी लोगों और उनके बच्चों के नरसंहार को रोकने के लिए गाजा में हड़ताल में भाग लें। उन्होंने कहा कि हम लोगों को उनके खिलाफ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। इजरायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से प्रियंका गांधी गाजा में कई मौकों पर युद्धविराम की मांग में मुखर रही हैं।

प्याज के निर्यात पर रोक से भड़के किसान

मुंबई-आगरा हाईवे जाम किया , समर्थन देने पहुंचे पवार

मुंबई ।(एजेंसी)

प्याज के एक्सपोर्ट पर रोक लगाने के फैसले का विरोध कर रहे महाराष्ट्र के प्याज किसानों ने मुंबई-आगरा हाईवे जाम किया है। प्रदर्शन कर रहे किसानों को एनसीपी प्रमुख और पूर्व केंद्रीय कृषिमंत्री शरद पवार का साथ मिला है। महाराष्ट्र के चांदवाद में बड़ी संख्या में प्याज किसान मुंबई-आगरा हाईवे पर बैठे हैं। ये किसान केंद्र के प्याज के एक्सपोर्ट पर रोक लगाने के फैसले का विरोध कर रहे हैं। मोदी सरकार ने घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने तत्काल प्रभाव से बड़ा फैसला किया था। मोदी सरकार ने कहा है कि मार्च, 2024 तक प्याज के निर्यात पर पूरी तरह रोक लगाई जाती है। इस दौरान एक भी प्याज देश के बाहर नहीं जाना चाहिए, ताकि घरेलू बाजार में इसकी सप्लाई बनी रहे और कीमतों में उछाल न आने पाए। विदेशी व्यापार महानिदेशालय ने नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि प्याज की निर्यात पॉलिसी में थोड़ा बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत 31 मार्च, 2024 तक देश के बाहर प्याज के निर्यात पर पूरी तरह रोक लगाई जाती है। प्याज निर्यात पॉलिसी में इस बदलाव से पहले सरकार ने इसकी न्यूनतम कीमत तय की थी। इसके तहत 29 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक प्याज का मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस(एमईपी) 800 डॉलर प्रति टन रखा गया था। इसका खुदरा भाव प्याज की निर्यात कीमत 67 रुपये प्रति किलोग्राम रखी गई थी। प्याज की कीमत बीते एक महीने में ही 58 फीसदी बढ़ चुकी है।

रक्षा संबंधों को मजबूती देने जापान पहुंचे चीफ ऑफ़ डिफेंस स्टाफ

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान जापान की आधिकारिक यात्रा पर हैं। 11 दिसंबर से शुरू हो रही उनकी आधिकारिक यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच उत्कृष्ट रक्षा संबंधों को सशक्त बनाना है।

अपनी यात्रा के दौरान जनरल चौहान हिरोशिमा भी जाएंगे। सीडीएस चौहान जापान के लिए 10 दिसंबर की रात को नई दिल्ली से रवाना हुए। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि उनकी यह यात्रा भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग के बढ़ते महत्व को उजागर करती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक जनरल अनिल चौहान जापान यात्रा के दौरान जापान के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करने और कई रक्षा संस्थानों तथा प्रमुख प्रतिष्ठानों का दौरा कर रहे हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, जापानी रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा के साथ भी भेंट करने वाले हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जनरल चौहान वहां चीफ ऑफ स्टाफ, ज्वाइंट स्टाफ, जापान सेल्फ डिफेंस फोर्सेज के जनरल योशिदा योशीहिदे के साथ बैठक करेंगे। इसके अलावा उनका ऐक्वजिशन टेक्नोलॉजी एंड लॉजिस्टिक्स एजेंसी (एटीएलए) के आयुक्त फुकासावा मसाकी और जापान के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज (एनआईडीएस) के उपाध्यक्ष मेजर जनरल अडाची योशिकी के साथ भी बातचीत करने का कार्यक्रम है। अपनी यात्रा के दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान कई विषय विशेषज्ञों तथा अनुसंधान विद्वानों के साथ बातचीत करेंगे और सैन्य प्रतिष्ठानों का भी दौरा करेंगे। इन बैठकों और चर्चा का उद्देश्य आपसी सहभागिता को बढ़ावा देना, क्षेत्रीय सुरक्षा पर विचारों का आदान-प्रदान करना तथा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को सशक्त करने के साथ-साथ रक्षा उपकरण एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) इकाइयों का दौरा करने और फुनाकोशी जेएमएसडीएफ बेस पर कमांडर इन चीफ सेल्फ डिफेंस फ्लीट के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम भी निर्धारित है। इसके बाद जनरल अनिल चौहान हिरोशिमा पीस पार्क जाएंगे और हिरोशिमा दुर्घटना के पीड़ितों की याद में विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

मनमोहन सरकार के तेल बॉंड के लिए मोदी सरकार ने चुकाए 3.5 लाख करोड़

नई दिल्ली ।मोदी सरकार ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) द्वारा जारी 1.41 लाख करोड़ के तेल बॉंड के लिए मोदी सरकार ने 3.5 लाख करोड़ रुपये चुकाए हैं, जबकि पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद में की गई कटौती से 2.2 लाख करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी के सुशील मोदी के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी देकर कहा कि संप्रग सरकार द्वारा तेल बॉंड के माध्यम से जुटाए गए ऋण पर मोदी सरकार को बहुत अधिक रकम चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल कीमतों में आई तेजी के बावजूद उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए पिछले वर्ष दोबार पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्कों में कटौती की जिसके कारण केन्द्रीय राजस्व को 2.2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।उन्होंने कहा कि इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों ने वैट में भी कमी जिसके कारण उपभोक्ताओं को 96 रुपये प्रति लीटर के आसपास पेट्रोल मिल रहा है, जबकि गैर भाजपा शासित राज्यों में उपभोक्ताओं को इससे औसतन 12 रुपये प्रति लीटर अधिक चुकाना पड़ रहा है।

370 हटाने का फैसला सही, केंद्र के हर फैसले को चुनौती देना सही नहीं : सुको

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला कहा- कश्मीर भारत का अंग है और केंद्र ने 370 हटाने का फैसला सही किया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर में कई दशकों से चली आ रही अनुच्छेद 370 को एक झटके में हटा दिया। सरकार के इस फैसले को लेकर देश के शीर्षस्थ न्यायाल में चुनौती दी गई थी। सबके अपने अपने तर्क थे और कई याचिकाएं लगाई गई। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने आज सोमवार को सुनवाई के बाद अपने फैसले में कहा कि जम्मू कश्मीर ने भारत में शामिल होने के बाद संप्रभुता का तत्व बरकरार नहीं रखा। जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और केंद्र सरकार के फैसले को सही ठहराते हुए कोर्ट ने याचिकाएं खारिज कर दीं।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को लेकर कहा, 'केंद्र के हर फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती, इससे अराजकता फैल जाएगी। राष्ट्रपति को अनुच्छेद 370 रद्द का अधिकार है। उनके पास विधानसभा को भंग करने का भी अधिकार है। उन्होंने कहा कि 'हमारा मानना है कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान है। इसे एक अंतरिम प्रक्रिया को पूरा करने के लिए संक्रमणकालीन उद्देश्य की पूर्ति के लिए पेश किया गया था। राज्य में युद्ध की स्थिति के कारण यह एक अस्थायी उद्देश्य के लिए था। टेक्स्ट पढ़ने से यह भी पता चलता है कि यह एक अस्थायी प्रावधान है और इस प्रकार इसे संविधान के भाग 21 में रखा गया है।सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की इस संविधान पीठ में जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस सूर्यकांत हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि इस मामले में तीन अलग-अलग फैसले लिखे गए, लेकिन सभी जज एक निष्कर्ष पर सहमत थे। प्रधान न्यायाधीश ने इसके साथ ही कहा कि याचिकाकर्ताओं का यह तर्क स्वीकार्य नहीं है कि संसद के पास राज्य की कानून बनाने की शक्तियां केवल तभी हो सकती है जब राष्ट्रपति शासन लागू हो। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का बचाव करने वालों और केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, वरिष्ठ अधिवक्ताओं हरीश साल्वे, राकेश द्विवेदी, वी गिरि और अन्य की दलीलों को सुना था। वहीं केंद्र सरकार के इस फैसले के खिलाफ याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल, गोपाल सुब्रमण्यम, राजीव धवन, जफर शाह, दुष्यंत दवे और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने बहस की थी। बता दें कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को 5 अगस्त 2019 को निरस्त कर दिया था और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों-जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था. सरकार के इस फैसले की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने 16 दिनों की सुनवाई के बाद 5 सितंबर को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2018 में जम्मू-कश्मीर में लगाए गए राष्ट्रपति शासन की वैधता पर फैसला देने से इनकार कर दिया, क्योंकि इसे याचिकाकर्ताओं द्वारा विशेष रूप से चुनौती नहीं दी गई थी. सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, 'जब राष्ट्रपति शासन लागू होता है तो राज्यों में संघ की शक्तियों पर सीमाएं होती हैं। अनुच्छेद 356 के तहत शक्ति के प्रयोग का उद्घोषणा के उद्देश्य के साथ उचित संबंध होना चाहिए।

संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट से भी नहीं मिली राहत, न्यायिक हिरासत 21 दिसंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर को आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कोई अंतरिम राहत नहीं दी। वहीं, दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 21 दिसंबर तक बढ़ा दी। आप सांसद को प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच में गिरफ्तार किया था। अदालत ने सिंह की जमानत अर्जी पर मंगलवार दोपहर दो बजे सुनवाई तय की है। न्यायिक हिरासत 21 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। हमने संजय सिंह को जेल में रहने के दौरान कुछ नोटिस मिलने के कारण एक आवेदन दायर किया है। संजय सिंह के वकील डॉ फारुख खान ने संवाददाताओं से कहा, जमानत याचिका मंगलवार (कल) के लिए सूचीबद्ध की गई है। सिंह को केंद्रीय जांच एजेंसी ने 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी के अनुसार, सिंह कथित तौर पर अब खत्म हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति में शराब समूहों से पैसा इकट्ठा करने की साजिश का हिस्सा थे। ईडी ने अदालत को बताया था कि आप के राज्यसभा सांसद कथित तौर पर सरकारी गवाह दिनेश अरोड़ा के करीबी थे, जिन्होंने कथित तौर पर अमित अरोड़ा से लेकर संजय सिंह तक पर आरोप लगाए थे। दिनेश अरोड़ा लगातार संजय सिंह के संपर्क में थे. कॉल डिटेल रिकॉर्ड के विश्लेषण से यह बात साबित हुई है। सिंह को कथित तौर पर अपराध से रू.2 करोड़ की आय प्राप्त हुई, जैसा कि ईडी ने पहले कहा था। 9 दिसंबर को संजय सिंह ने अदालत से आग्रह किया था कि उन्हें रिहा कर दिया जाए क्योंकि उन्हें आगे हिरासत में रखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

फेसबुक पर कांग्रेस विधायक पर सवाल पूछने पर भाजपा कार्यकर्ता पर हमला

शिवमोग्गा । शिवमोग्गा जिले में भद्रावती से कांग्रेस विधायक बी.के. संगमेश्वर से फेसबुक पर सवाल पूछने पर एक भाजपा कार्यकर्ता पर छह लोगों के गिरोह द्वारा हमला किए जाने की घटना सोमवार को सामने आई। भाजपा कार्यकर्ता गोकुल कृष्णन के माथे और कान पर गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें शिवमोग्गा के मेगन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरोह ने उन पर तब हमला किया जब वह रविवार रात भद्रावती शहर में कंचन होटल से डिनर पार्सल लाने गए थे। गोकुल कृष्णन ने कहा कि स्थानीय कांग्रेस विधायक संगमेश्वर से पूछताछ की पृष्ठभूमि में उन पर हमला किया गया। पीड़ित ने कांग्रेस विधायक से भद्रावती शहर में अवैध गतिविधियों और एमपीएमएल फैक्ट्री को फिर से शुरू करने के उनके वादे के बारे में सवाल किया था। पोस्ट के बाद शनिवार को पीड़ित की कार को निशाना बनाया गया और क्षतिग्रस्त कर दिया गया। मामले की जांच कर रही न्यू टाउन पुलिस ने इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान गणेश (22), हर्ष (22) और नागे गौड़ा (22) के रूप में हुई है। मारपीट के मामले में पुलिस ने अभी तक कार्रवाई नहीं की है। मामला बड़ा मुद्दा बनने और सत्र में इस पर चर्चा होने की संभावना है।

केजरीवाल लोकप्रिय हुए तो केंद्र ने डराने की कोशिश शुरु कर दी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के उपाध्यक्ष और पार्टी विधायक गुलाब सिंह यादव ने रविवार को मटियाला विधानसभा क्षेत्र में घर-घर मैं भी केजरीवाल हस्ताक्षर अभियान चलाया। यादव ने लोगों से बातचीत करते हुए पूछा कि अगर अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया तो क्या उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए? जेल से सरकार चलानी चाहिए या नहीं? ये सवाल इसलिए उठा है कि आप का दावा है कि आम आदमी पार्टी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को डराने की कोशिश कर रही है, क्योंकि उनकी लोकप्रियता पूरे देश में बढ़ रही है। यादव ने कहा, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने एक बार फिर आप नेताओं को जेल में डालने के लिए नया जाल बिछाया है। देशभर में अरविंद केजरीवाल की बढ़ती लोकप्रियता के कारण मोदी सरकार उन्हें रोकने के लिए ईडी और सीबीआई से डराने की कोशिश कर रही है। अब उन्हें जेल में डालना चाहते हैं। मैं मोदी सरकार से कहना चाहता हूं कि जिन्होंने कुछ गलत किया है, वे ही ईडी और सीबीआई से डरते हैं। ईडी और सीबीआई से डरने वाली नहीं है, जनता जानती है कि आप ईमानदार पार्टी है। उन्होंने कहा, अगर अपनी ईमानदारी के कारण हमें जेल जाना पड़े तो हम एक पल भी नहीं सोचेंगे। मोदी सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई देश को बचाने के लिए है। आज देश में युवाओं के पास रोजगार, स्वास्थ्य सुविधा और बेहतर शिक्षा का अभाव है। पूरा सिस्टम बिगाड़ दिया गया है, किसान परेशान हैं और युवाओं के लिए नौकरियां नहीं हैं। केंद्र सरकार को सिर्फ बड़े उद्योगपतियों की चिंता है। उन्होंने कहा, भाजपा ईर्ष्यालु है, क्योंकि अगर वे अच्छा काम नहीं कर रहे हैं, तो चाहते हैं कोई दूसरी सरकार भी न करे। मैं भाजपा को बताना चाहता हूं कि अच्छे काम के लिए अच्छे इरादे जरूरी हैं, जो केवल आप के पास है

आध्यात्मिक पर्यटन केन्द्र वाली हो गोवा की पहचान : रमेश शिंदे

पणजी । हिंदू जनजागृति समिति ने मंदिरों के आधार पर राज्य में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की मांग की। रविवार को दक्षिण गोवा में गोमांतक मंदिर महासंघ और हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित गोमांतक मंदिर-धार्मिक संस्थान परिषद की बैठक में कहा गया कि गोवा की छवि कैसिनो और छोटे कपड़े पहने महिलाओं वाले समुद्र तटों की भूमि बन गई है। हिंदू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता रमेश शिंदे ने कहा कि क्या कैसिनो, अर्धनग्न महिलाओं वाले समुद्र तटों, सनबर्न ही गोवा की छवि है। हाल ही में गोवा सरकार ने मंदिर संस्कृति को बढ़ावा देने की अभिनव पहल की है । शिंदे ने कहा, कि उत्तर प्रदेश में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के बाद एक साल में 8 करोड़ पर्यटक वहां आए, जबकि गोवा में कैसीनो, समुद्र तट, सनबर्न जैसे त्योहारों को बढ़ावा देने के कारण पिछले साल केवल 73 लाख पर्यटक गोवा आए। तो गोवा में मंदिर पर्यटन को क्यों बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए? उन्होंने कहा कि मंदिरों की पवित्रता को बनाए रखने वाले धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। गोवा में कुछ स्थानों पर ट्रस्टियों, महाजनों, पुजारियों आदि के बीच विवाद चल रहे हैं,आज अदालतों में 5 करोड़ मामले लंबित हैं और न्याय पाने के लिए पीढ़ियों तक इंतजार करना पड़ता है। इसलिए मंदिरों के अंदरूनी विवादों को आपस में ही सुलझा लेना चाहिए।

हिंदुओं के लिए सपना सच हुआ, बीआरएस की के कविता ने की अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की तारीफ

हैदराबाद। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं, ऐसे में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी और भारत रक्षा समिति (बीआरएस) की एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने रविवार को कहा कि यह एक सपने जैसा है। करोड़ों हिंदुओं के लिए सच है। एक्स टाइमलाइन पर तेलुगु में लिखी एक पोस्ट में उन्होंने भव्य राम मंदिर के उद्घाटन के लिए अपनी खुशी व्यक्त की। के कविता ने पोस्ट करते हुए कहा कि शुभ समय के दौरान जब अयोध्या में श्री सीताराम चंद्र स्वामी की मूर्ति स्थापित की गई है, जो करोड़ों हिंदुओं के लिए एक सपना सच होने जैसा है, तेलंगाना के साथ देश इसका स्वागत करता है। एक्स पोस्ट के साथ उन्होंने निर्माणाधीन राम मंदिर का एक वीडियो भी शेयर किया। इस बीच, गर्भगृह, जहां भगवान राम की मूर्ति रखी जाएगी, पूरा होने के करीब है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शनिवार को लगभग तैयार गर्भगृह की तस्वीरें साझा कीं, जहां राम लला की मूर्ति स्थापित की जाएगी। चंपत राय ने कहा कि श्री राम लला का गर्भगृह लगभग तैयार है। हाल ही में लाइटिंग-फिटिंग का काम भी पूरा हो गया है। आपके साथ कुछ तस्वीरें साझा कर रहा हूं। अयोध्या में राम मंदिर अगले साल 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के लिए तैयार हो जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या में 'प्राण प्रतिष्ठा' (अभिषेक समारोह) में शामिल होने के लिए लगभग 6,000 लोगों को पत्र भेजेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन प्रमुख हस्तियों में शामिल हैं जिनके इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है।

जातीय सर्वे को लेकर कभी भी बाधक नहीं रही केन्द्र सरकार : अमित शाह

-बिहार के जातीय सर्वे में कई खामियां, करना होगा दूर, नीतीश और तेजस्वी यादव से बोले अमित शाह

पटना (एजेंसी)। देश में जातीय सर्वे की जरूरत पर बल देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जातीय सर्वे को लेकर केंद्र सरकार ने कभी बाधा उत्पन्न नहीं की। रविवार को पटना में जोनल काउंसिल की मीटिंग के दौरान शाह ने बताया कि बिहार की सरकार में जब भाजपा शामिल थी तो इसके समर्थन में राज्यपाल ने बिल को तुरंत मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि जातीय सर्वे में कुछ समस्याएं हैं, जिन्हें दूर करना होगा। गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हमें उम्मीद है कि बिहार सरकार जातीय सर्वे में आई खामियों को दूर करने का प्रयास करेगी।

पूर्वी जोन की मीटिंग में बिहार के सीएम नीतीश कुमार के अलावा ओडिशा, बंगाल और झारखंड के वरिष्ठ मंत्रियों ने भी हिस्सा लिया। मीटिंग में बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी मौजूद थे।

गौरतलब है कि जातीय सर्वे का बिहार में भाजपा ने भी समर्थन किया था। इसके अलावा आबादी के अनुपात में जातिगत आरक्षण दिए जाने का प्रस्ताव भी विधानसभा से ध्वनिमत से पारित हुआ था। भाजपा ने भी इसका आगे बढ़कर समर्थन किया था। हालांकि अब जातीय सर्वे को लेकर क्रेडिट की जंग छिड़ती दिख रही है। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव इसे अपनी सरकार की जीत के तौर पर पेश करते रहे हैं। यही नहीं बिहार के बाद यूपी, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में जातीय सर्वे कराने की मांग भी उठाई जा रही है। कांग्रेस ने तो चुनावी राज्यों में इसे लेकर वादे भी किए थे। माना जा रहा है कि साल 2024 के चुनाव में कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल जातीय सर्वे की मांग करते हुए मुद्दा उठा सकते हैं। कांग्रेस को भी लगता है कि इसके बहाने वह ओबीसी वर्ग में कुछ पैठ बना सकेगी। फिलहाल कांग्रेस हर वर्ग में अपनी पकड़ खोती दिख रही है। ऐसे में इसके बहाने वह एक बड़े वर्ग को साधने का प्रयास करेगी।

न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर 19 दिसंबर को होगी इंडिया गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली । कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि सीट बंटवारे और न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए इंडिया गठबंधन की अगली बैठक 19 दिसंबर को होगी। नई दिल्ली में मंगलवार दोपहर तीन बजे इंडिया गठबंधन के पार्टी नेताओं की आयोजित चौथी बैठक में सीट शेयरिंग में न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर चर्चा होगी। इस बीच, कांग्रेस के एक सूत्र ने बताया कि इंडिया गठबंधन के संसद के फ्लोर लीडरों की डिनर मीटिंग हाल ही में हुई थी। यह बैठक बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई, जिसमें पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी और 17 दलों के नेता भी शामिल हुए। सीट शेयरिंग की अगली बैठक में न्यूनतम साझा कार्यक्रम पर चर्चा होगी। इस बीच, द्रमुक सांसद एस. सेंथिलकुमार के विवादास्पद बयान पर कांग्रेस ने विरोध जताते हुए कहा कि हम इस पर बयान जारी करने ही वाले थे।उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर बयान के दौरान उन्होंने कहा था कि द्रमुक को यह बता दिया गया था कि हम जातिगत असमानता के खिलाफ हैं और हमें असमानता से लड़ने की जरूरत है। सूत्र ने कहा, हम भी एक गठबंधन में हैं, गठबंधन धर्म का मतलब यह नहीं है कि आप अपने सहयोगियों से हिसाब लें या उनसे भिड़ें। सेंथिलकुमार के विवादित बयान के बाद भी कांग्रेस ने अपनी नाराजगी द्रमुक को बताई और कुछ ही घंटों में सफाई भी दे दी गई।

कर्नाटक से हैरान करने वाली घटना से हिला देश

घर से बाहर खींचकर सरेआम महिला को किया नग्न, खंभे से बांधकर हैवानों ने किया उत्पीड़न

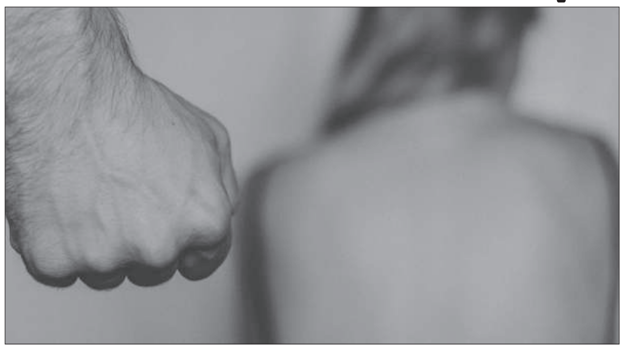

बेलगावी (कर्नाटका) (एजेंसी)। हम रोजाना अखबारों में दिलदहला देने वाली घटनाएं पढ़ते हैं और गुस्सा करते हैं। कई बार ऐसी घटनाएं हमारे आसपास ही घटती है लेकिन हममें से ज्यादातर लोग इसे देखकर आंखे बंद कर लेते हैं और केवल तमाशा देखते हैं। हैरान कर देने वाली घटना कर्नाटका से आयी है। जहां एक लड़का एक लड़की से प्यार करता था और वह उसे भगाकर अपने घर ले आया। जब इस बात की जानकारी लड़की के परिवार को मिली तो लड़की का परिवार लड़के के घर पहुंचा। वहां पर लड़के की मां को उन्होंने काफी प्रताड़ित किया। महिला उम्रदराज थी लेकिन हैवानों ने अपनी बेटी के घर से भागने का सारा गुस्सा लड़के की मां पर निकाला। महिला को उसके घर से बाहर खींच लिया, नग्न कर दिया, एक खंभे से बांध दिया और उसकी पिटाई की।

पुलिस ने कहा कि रविवार रात कर्नाटक के बेलगावी में एक लड़की के परिवार ने एक महिला को उसके घर से बाहर खींच लिया, नग्न कर दिया, एक खंभे से बांध दिया और उसकी पिटाई की, जिसके साथ उसका बेटा भाग गया था। इस घटना पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और गृह मंत्री जी परमेश्वर ने प्रतिक्रिया व्यक्त की।

पुलिस ने बताया कि महिला का बेटा कुछ समय से लड़की के साथ रिलेशनशिप में था। अपनी बेटी के महिला के बेटे के साथ भाग जाने की खबर मिलने पर लड़की के परिवार वाले लड़के के घर पहुंचे। पुलिस ने कहा कि लड़की के परिवार ने उस व्यक्ति की मां को उसके घर के बाहर खींच लिया, उसे नग्न कर दिया, उसे एक खंभे से बांध दिया और उसके साथ शारीरिक उत्पीड़न किया।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, सिर्फ बेलगावी ही नहीं, हमारी सरकार हर जगह सख्त है। चाहे कोई भी अपराध हो, हम अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट इसने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। हमारी सरकार किसी भी कारण से ऐसे जघन्य कृत्यों को बर्दाश्त नहीं करेगी।÷ कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर के अनुसार, अपराध में सीधे तौर पर शामिल सात लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि वह पीड़िता से मिलेंगे, जिसका स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

उन्होंने कहा 'हम आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। एक युवा जोड़ा भाग गया था. लड़की का परिवार उस आदमी के घर गया, माँ को बाहर खींच लिया, उसे नग्न कर दिया और पिटाई करने से पहले उसे एक खंभे से बांध दिया। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को बचाया और नजदीकी अस्पताल ले गई। वह अब अस्पताल में है।

जैतापुर हंडिया प्रयागराज मे रहस्यमयी अचानक आग लग जाने पर दो पशुओ की हुई मौत और बाकी जखमी

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। प्रयागराज हंण्डिया तहसील के जैतापुर ग्राम मे रजनीकांत पाण्डेय (वकील) के घर रात्रि मे पर आग लगने से कमरे मे बधी दो साहिवाल गाय जलकर मर गई साथ ही तीन पशु भी बुरी तरह से जल गई इस घटना की जानकारी तब हुई जब सुबह घर के सदस्य ने पशुओ को चारा देने के लिए वहा पर पहुचे आग लगने के कारण का अभी तक कुछ पता नही चल पया इस खबर की सूचना मिलने पर पशुपालन विभाग हंण्डिया के कर्मचारीगण एव हल्का लेखपाल मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई किया इस घटना की जानकारी ग्रामीणो को जैसे जैसे पता चलता रहा घटना स्थल पर लोग आते जाते रहे पशु मालिक के अनुसार आग लगने का कारण एक रहस्य बना हुआ है मरने वाली पशुओ कि किमत लगभग लाखो रूपए तक की हो सकती है ।

कानून के शिकंजे में फंसे कद्दावर मंत्री, कभी भी गिरा सकते हैं कर्नाटक कांग्रेस सरकार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बने अभी ज्यादा वक्त नहीं हुआ है। लेकिन सरकार गिरने के दावे होने लगे हैं। जेडीएस के वरिष्ठ नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी.कुमारस्वामी पूरे दावे के साथ कहा है कि राज्य की कांग्रेस सरकार बहुत जल्द गिरने वाली है। वजह ये है कि राज्य सरकार में एक कद्दावर नेता मंत्री हैं,विधायकों में उनकी अपनी मजबूत पकड़ है,लेकिन कानून के शिकंजे में फंस गए हैं। उनके खिलाफ दर्ज मामलों से बचने के लिए वे भाजपा का दामन थाम सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो वे कई विधायक अपने साथ ले जाएंगे और राज्य की कर्नाटक सरकार गिर जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने दावा किया कि मंत्री '50 से 60 विधायकों के साथ कांग्रेस पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो सकते हैं और वह वर्तमान में भाजपा के नेताओं के साथ ''बातचीत कर रहे हैं। जद (एस) नेता ने संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस सरकार में सब कुछ ठीक नहीं है। मुझे नहीं पता कि यह सरकार कब गिर जाएगी। एक प्रभावशाली मंत्री अपने खिलाफ दर्ज मामलों से बचने के लिये बेताब हैं।कुमारस्वामी ने कहा कि केंद्र ने उनके खिलाफ ऐसे मामले दर्ज किए हैं, जिनसे ''बच निकलने की कोई संभावना नहीं है। जब कुमारस्वामी से नेता का नाम पूछा गया तो उन्होंने कहा कि छोटे नेताओं से ऐसे ''निर्भीक कदम की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि केवल ''प्रभावशाली लोग ही ऐसा कर सकते हैं। जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक में किसी भी समय ''महाराष्ट्र जैसा कुछ हो सकता है।

साइबर अपराध के मामले में महाराष्ट्र देश में चौथे स्थान पर

– साइबर तकनीक का प्रशिक्षण नहीं मिलने से पुलिस भी असहाय

– साइबर क्राइम रोक पाना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। पिछले साल से देश भर में हाईटेक साइबर अपराधियों का बोलबाला है और हर दिन 180 से ज्यादा साइबर अपराध सामने आ रहे हैं। इस समय देश में साइबर क्राइम में काफी बढ़ोतरी हुई है और 65 हजार 893 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से अधिकतर अपराध वित्तीय धोखाधड़ी और ऑनलाइन यौन शोषण हैं। तेलंगाना 15 हजार 297 मामलों के साथ देश में पहले स्थान पर है जबकि महाराष्ट्र चौथे स्थान पर है, यह चौंकाने वाला आंकड़ा राष्ट्रीय अपराध पंजीकरण विभाग द्वारा प्रकाशित आंकड़ों से प्राप्त हुआ है। एक ओर जहां साइबर क्राइम के मामले बढ़ते जा रहे हैं, वहीं पुलिस आरोपियों को पकड़ने में नाकाम हो रही है। साइबर अपराध के संबंध में देश भर में पुलिस बल के जवानों को उचित प्रशिक्षण नहीं मिलने के कारण साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करना संभव नहीं हो पा रहा है। इससे पहले पुलिस को विदेशों में बैठे साइबर अपराधियों ने चुनौती दी थी. हालाँकि, अब कई राज्यों में साइबर क्राइम गिरोह उभर रहे हैं। छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली राज्यों में साइबर गिरोह सक्रिय हैं। वहां से वे देशभर में ऑनलाइन धोखाधड़ी की वारदातों को अंजाम देते हैं। 2022 में देश भर में 65 हजार 893 साइबर अपराध दर्ज किए गए हैं. इनमें सबसे ज्यादा अपराध ऑनलाइन धोखाधड़ी और उसके बाद ऑनलाइन यौन उत्पीड़न हैं। साइबर अपराधों में 24.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, सबसे अधिक साइबर अपराध तेलंगाना (15,297) में दर्ज किए गए हैं। दूसरे स्थान पर कर्नाटक (12,556) और तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश (10,117) है। जबकि चौथे नंबर पर महाराष्ट्र है और राज्य भर में 8 हजार 249 साइबर अपराध दर्ज किए गए हैं. देशभर में दर्ज 65 हजार साइबर अपराधों में से 42 हजार 700 अपराध विभिन्न तरीकों से ऑनलाइन धोखाधड़ी से जुड़े हैं. साइबर अपराधियों ने 3 हजार 468 लोगों को ऑनलाइन फिरौती देने के लिए मजबूर किया है. साथ ही अश्लील फोटो और वीडियो सार्वजनिक करने का डर दिखाकर 3 हजार 434 लोगों से रंगदारी ली गई है. कई उच्च शिक्षित लोगों को आर्थिक रूप से धोखा दिया गया है और ज्यादातर मामले अंशकालिक नौकरी का लालच देने, लिंक पर क्लिक करके या बैंक का ओटीपी पूछकर बैंक खाता खाली करने के हैं। साइबर अपराधियों का गिरोह झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के सीमावर्ती इलाकों से संचालित होता है। अपराधी पैसे ट्रांसफर करने के लिए सैकड़ों मोबाइल फोन, सिम कार्ड और कई गरीब लोगों के बैंक खातों का उपयोग करते हैं। इसलिए पुलिस के हाथ लगने वाले साइबर अपराधियों की संख्या न्यूनतम है. साथ ही साइबर अपराध की जानकारी रखने वाले पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों की संख्या 5 से 7 फीसदी है. पुलिस को समय-समय पर साइबर तकनीक का प्रशिक्षण भी नहीं दिया जाता है जिससे पुलिस ऐसे अपराधों को रोक पाने में खुद को असहाय महसूस कर रही है. बहरहाल अगर समय रहते इसपर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में साइबर क्राइम को रोक पाना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती साबित होने वाली है।

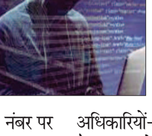

एआई को कंट्रोल करने दुनिया में पहली बार कानून बनेगा

-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्ट बनाने के लिए यूरोपियन यूनियन हुआ राजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई के दुरूपयोग को रोकने के लिए अब यूरोपियन यूनियन कानून बनाने को राजी हो गया है। इस संबन्ध में यूरोपीय संसद ने कहा कि उसके मेंबर्स प्रस्तावित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्ट को लेकर एक ऐतिहासिक 'प्रोविजनल एग्रीमेंट' पर पहुंच गए हैं। ईयू का एआई एक्ट एआई से जुड़े यूजर्स के नुकसान को नियंत्रित करने वाला दुनिया का पहला व्यापक नियम बनने जा रहा है। यूरोपीय संसद ने एक बयान में कहा कि इस रेगुलेशन का उद्देश्य ये सुनिश्चित करना है कि इनोवेशन को बढ़ावा देने और यूरोप को इस सेक्टर में लीडर बनाने के साथ-साथ मौलिक अधिकार, लोकतंत्र, कानून का शासन और पर्यावरणीय स्थिरता हाई रिस्कत एआई से सुरक्षित रहे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये नियम बताते हैं कि एआई को उसके प्रभाव और रिस्क के आधार पर उसे क्या करना चाहिए। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि राजनीतिक एग्रीमेंट ग्लोबल फर्स्ट है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि एआई एक्ट वैश्विक स्तर पर पहली बार बन रहा है। इसमें एआई के विकास के लिए यूनीक लीगल फ्रेमवर्क पर आप लोगों और उनके व्यवसायों की सुरक्षा और मौलिक अधिकारों के लिए भरोसा किया जा सकता हैं। हमने अपने राजनीतिक दिशानिर्देशों में एक कमिटमेंट ली और हमने उसे पूरा भी किया है।

ताजा जानकारी के अनुसार एआई के कुछ एप्लीकेशन द्वारा नागरिकों के अधिकारों और लोकतंत्र के लिए संभावित खतरे को पहचानते हुए, को-लेजिस्लेटर्स संवेदनशील विशेषताओं राजनीतिक, धार्मिक, दार्शनिक विश्वास, सेक्सुअल ओरिएंटेशन, नस्ल का उपयोग करने वाले बायोमेट्रिक कैटेगरी सिस्टम को बैन करने पर सहमत हुए हैं। यह एग्रीमेंट फेस रिकग्निशन डेटाबेस, वर्कप्लेस और एजुकेशनल इंस्टिट्यूट में इमोशन रिकग्निशन और सोशल बिहेवियर या व्यक्तिगत विशेषताओं के आधार पर सोशल स्कोरिंग बनाने के लिए इंटरनेट या सीसीटीवी फुटेज से फेशियल इमेज की अनटारेगेटेड स्क्रैपिंग पर भी रोक लगाता है।

यूरोपीय यूनियन ने कहा कि ये एग्रीमेंट उन एआई सिस्टम पर भी अंकुश लगाता है जो मानव व्यवहार में हेरफेर करके उनकी स्वतंत्र इच्छा को बाधित करते हैं और एआई का उपयोग लोगों की कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए करते हैं। हाई रिस्क जोन में रखे गए एआई सिस्टम के लिए, स्पष्ट दायित्वों पर सहमति भी व्यक्त की गई। संसद ने कहा कि चुनाव के नतीजों और मतदाता व्यवहार पर असर पर डालने के लिए उपयोग किये जाने वाले एआई सिस्टम को भी हाई-रिस्क जोन में रखा गया है। यूनियन का कहना है कि नए कानून में नागरिकों को एआई सिस्टम के बारे में शिकायतें करने और हाई रिस्क वाले एआई सिस्टम पर आधारित निर्णयों के बारे में जानने का अधिकार होगा।

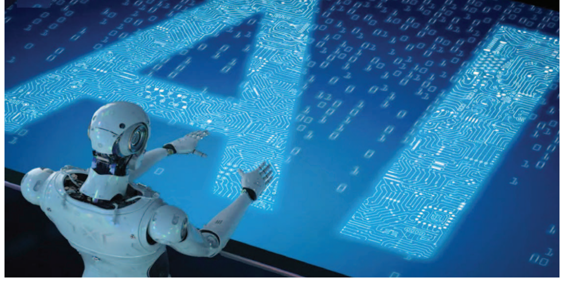

अमेरिका में खालिस्तानियों ने किया तिरंगे का अपमान, भारतीय वाणिज्य दूतावास में तोड़फोड़

वाशिंगटन । कनाडा और ब्रिटेन में खालिस्तान आंदोलन को हवा देने वाले कट्टरपंथी और अलगाववादी अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने अमेरिका में भारत विरोधी एजेंडा तेज कर दिया है। खालिस्तान समर्थकों ने अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला कर तोड़फोड़ की है। सैन फ्रांसिस्को की गिनती अमेरिका के प्रमुख सांस्कृतिक, वाणिज्यिक और वित्तीय केंद्र के रूप में होती है। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में तोड़फोड़ करने से पहले अलगाववादी समर्थकों ने प्रदर्शन कर खालिस्तान के झंडे लहराए। भारतीय अधिकारियों ने इन झंडों को हटाया, तब उन पर हमला हुआ। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं।इन लोगों ने दूतावास में घुसकर दरवाजे तोड़ते हुए नारेबाजी की। साथ ही दूतावास की दीवार पर फ्री अमृतपाल नारा लिख दिया। इसके अलावा खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के विरोध में खालिस्तान समर्थकों ने सैन फ्रांसिस्को में भारत के खिलाफ गोल्डन गेट ब्रिज के पास से रैली भी निकाली। रैली के दौरान भारतीय झंडे का अपमान किया गया। खालिस्तानियों ने भारतीय झंडे को गाड़ी के पीछे बांधा हुआ था। खालिस्तान की हरकत पर भारत सरकार ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। खालिस्तानियों ने पीएम मोदी-विदेश मंत्री जयशंकर वांटेड के पोस्टर भी लगाए। भारतीय उच्चायोग से तिरंगा हटाने की कोशिश करने के बाद खालिस्तानियों के खिलाफ पूरे भारत में गुस्सा फूट पड़ा है। भारत सरकार ने अमेरिकी राजनयिकों के सामने कड़ी आपत्ति जताकर दूतावासों को सुरक्षा मुहैया कराने की बात कही है।

पाक के बलूचिस्तान में विस्फोट से पुलिसकर्मी की मौत

बलूचिस्तान । पाक के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक विस्फोट में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बलूचिस्तान के खुजदार में सुल्तान इब्राहिम रोड के पास हुए धनाके में आतंकवाद निरोधक विभाग के प्रभारी मोहम्मद मुराद की मौत हो गई। इस हमले की किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

इटली के फेजा में दो ट्रेनों की भिड़ंत, 17 घायल

रोम । उत्तरपूर्वी इटली में रविवार देर रात दो ट्रेनों के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 17 लोग घायल हो गए। मिलान की रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 8ः20 बजे इटली के फेजा में बोलोग्ना-रिमिनी रेलवे लाइन पर दो ट्रेनें टकरा गईं, जिससे क्षेत्र में रेलवे यातायात अवरुद्ध हो गया। सभी 17 लोग मामूली रूप से घायल हो गए, और दुर्घटना का कारण निर्धारित करने के लिए जांच चल रही है।

चीन में ठंड, लोगों को सावधानी की सलाह

बीजिंग । चीन के कुछ हिस्सों में तापमान गिरने से शीत लहर के लिए ब्लू अलर्ट जारी किया गया है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार सोमवार से मंगलवार तक 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। हुनान प्रांत, गुइझोउ प्रांत में तापमान गिर सकता है। प्रशासनों को ठंड के मौसम के प्रति सावधानी बरतने की सलाह दी है। साथ ही जनता से जलीय उत्पादों की सुरक्षा के लिए उपाय करने का आग्रह किया है।

फिलीपीन सेना प्रमुख ने कहा, चीनी सेना ने किया आपूर्ति नौका पर हमला

मनीला । फिलीपीन सेना के प्रमुख ने कहा कि विवादित दक्षिण चीन सागर में सप्ताहांत में जब चीनी तटरक्षक जहाजों ने फिलीपीन की आपूर्ति नौका की घेराबंदी कर हमला किया, उस समय वह आपूर्ति नौका पर सवार फिलीपीनी सुरक्षा बलों के साथ मौजूद थे। जनरल रोमियो ब्राउनर जूनियर ने बताया कि चीन विवादित जल क्षेत्र में अपनी आक्रामकता बढ़ा रहा है, लेकिन उसकी इस तरह की कार्रवाई फिलीपीनी सुरक्षा बलों को व्यस्त जलमार्ग में देश के क्षेत्रीय हितों की रक्षा करने से नहीं रोक सकेगी। चीन के 100 से अधिक सरकारी एवं मिलिशिया जहाजों ने विवादित स्कारबोरो शोल क्षेत्र के आसपास समुद्र में स्थान पर धावा बोल दिया, जहां फिलीपीन नौसेना का जहाज दशकों से खड़ा है। उन्होंने कहा कि चीनी बेड़ा पिछले महीनों की तुलना में बहुत बड़ा है। शोल, रेतीले और चट्टानों से घिरा समुद्री क्षेत्र हैं, जहां प्रचुर मात्रा में मछलियां मिलती हैं। ब्राउनर ने समुद्री क्षेत्र में चीन की कार्रवाई पर कहा, यह पूरी तरह आक्रामकता है। मैंने देखा कि कितनी बार बड़े चीनी तट रक्षक और मिलिशिया जहाजों ने हमारा रास्ता रोका। उन्होंने कहा, इसके लिए वास्तव में उच्च स्तरीय राजनयिक समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि फिलीपीन के ''सशस्त्र बल हमारे अभियान को जारी रखने, क्योंकि यह वैध है और हमारे सैनिकों तक आपूर्ति पहुंचाना तथा हमारे मछुआरों की रक्षा करना हमारा दायित्व है। फिलीपीन के 1,50,000 सदस्यीय सशस्त्र बलों के प्रमुख ब्राउनर ने अमेरिका में शिक्षा प्राप्त की है। वह 'सेकंड थॉमस शोल में स्थित बीआरपी सिएरा माद्रे पर तैनात फिलीपीन मरीन एवं नौसेना के कर्मियों को क्रिसमस के उपहार, खाद्यान्न एवं अन्य आपूर्ति पहुंचाने के लिए नौसेना कर्मियों के साथ आपूर्ति नौका 'उन्नैजा मे 1 में सवार थे। अमेरिका ने बार-बार चेतावनी दी है कि अगर फिलीपीन की सेना, जहाज या विमान दक्षिण चीन सागर सहित किसी सशस्त्र हमले की जद में आते हैं, तब वह एशिया में अपने सबसे पुराने संधि सहयोगी फिलीपीन की रक्षा करेगा। चीन ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि वह इसमें हस्तक्षेप नहीं करे क्योंकि चीन इस पूरी तरह से एशियाई विवाद बताता है।

श्रमिक बस्ती में लगी आग में 9 की मौत

रियो डी जनेरियो । ब्राजील के उत्तरी क्षेत्र अमेज़ॅन में भूमिहीन श्रमिक आंदोलन से जुड़ी एक बस्ती में लगी भीषण आग में झुलसकर नौ लोगों ने दम तोड़ दिया। रविवार को मिली जानकारी के अनुसार पारा राज्य की नगर पालिका, पाराउपेबास शहर के लैंड एंड लिबर्टी कैंप में एक विस्फोट के कारण लगी आग से बस्ती से गुजरने वाला विद्युत नेटवर्क जल गया। सूत्र अनुसार, एक इंटरनेट कंपनी के तकनीशियन नेटवर्क पर काम कर रहे थे इसी दौरान उन्होंने गलती से इंटरनेट केबल को हाई-वोल्टेज केबल से जोड़ दिया, जिससे विस्फोट हो गया। शिविर की दो बैरकों में तुरंत आग लग गई और वे पूरी तरह से नष्ट हो गईं, और तीन कर्मचारी और छह शिविर निवासी मारे गए।

तीन कुत्तों ने महिला को मार डाला, मालिक गिरफ्तार

एथेंस । उत्तरी शहर थेसालोनिकी में एक 50 साल की महिला को कुत्तों ने नौंच नौंचकर मार डाला। 3 कुत्तों ने एक महिला पर हमला कर दिया और नोंच-नोंचकर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस के मुताबिक नियोचोरौडा गांव में रहने वाली महिला अपने बगीचे में काम कर रही थी। इसी दौरान 3 कुत्ते अपने बाड़े से भाग गए और बगीचे में घुस गए। इस दौरान बगीचे में काम कर रही महिला पर तीनों कुत्तों ने हमला कर दिया। महिला ने खुद को बचाने की काफी कोशिश की लेकिन कुत्तों के चंगुल से बच नहीं पाई। तीनों कुत्तों ने उसके शरीर को काट काट कर गहरे जख्म कर दिए। उसके शरीर को नोंच-नोंचकर चीथड़े निकाल लिए। महिला चीखी चिल्लाई लेकिन किसी तक उसकी आवाज नहीं पहुंची। कुत्तों के हमले के दौरान एक दूसरा शख्स भी मौजूद था जो, बगीचे में ही काम कर रहा था। पुलिस ने बताया कि वो शख्स गूंगा और बहरा था। यही वजह है कि उस शख्स तक महिला के चीखने का आवाज नहीं पहुंची। इस दौरान कुछ पड़ोसियों को महिला के चीखने की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद वो लोग बगीचे में पहुंचे और कुत्तों को भगाकर महिला को उनके चंगुल से बचाया, हालांकि तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

श्रीलंका ने 25 भारतीय मछुआरों को हिरासत में लिया

कोलंबो । श्रीलंकाई नौसेना ने 25 भारतीय मछुआरों को हिरासत में ले लिया और उनकी दो नौकाओं को जब्त कर लिया। श्रीलंकाई नौसेना ने कहा कि शनिवार रात हिरासत में लिए गए मछुआरे गैरकानूनी रूप से मछली पकड़ रहे थे। मछुआरे तमिलनाडु के नागपट्टिनम और पुडुचेरी के कराइकाल जिले के निवासी हैं। पकड़े गए मछुआरों को कंकासांतुरै बंदरगाह ले जाकर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मैलादी मत्स्यपालन निरीक्षक को सौंप दिया गया।

बुडापेस्ट, हंगरी में क्रिसमस मनाने और चैरिटी का समर्थन करने के लिए लोग 20वीं सांता स्पीडो रन में भाग लेते हुए।

सिरप और दवाओं में मिलावट के चलते मालदीव ने पाकिस्तान से तोड़ा करार

इस्लामाबाद । सिरप और दवाओं में मिलावट के चलते मालदीव ने पाकिस्तान से करार खत्म कर लिया है। इस तरह से उसने पा?किस्तान को बड़ा झटका दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मालदीव ने कफ सिरप और दवाओं में मिलावट की रिपोर्ट मिलने के बाद पाकिस्तान सरकार के साथ किए गए करार को खत्म कर दिया है। मालदीव से जानकारी मिलने के बाद ड्रग रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ पाकिस्तान ने कंपनी के सिरप सेक्शन को सील कर दिया। बताया जा रहा है कि सिरप में जिन पदार्थों का इस्तेमाल किया गया है, उनमें हाइड्रोलिक ब्रेक तरल पदार्थ, स्टाम्प पैड स्याही, पेंट, प्लास्टिक और सौंदर्य शामिल है। कंपनी के एक प्रतिनिधि फयाज अहमद ने बताया कि डीएपी ने कंपनी के सिरप सेक्शन को सील कर दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी कंपनी जानबूझकर ऐसा नहीं करती है। फिलहाल वह इस मुद्दे पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करेंगे। हालांकि लैब टेस्ट रिपोर्ट मिलने के बाद अथॉरिटी कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू कर सकती है। एक बयान के अनुसार, डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी मेडिकल निर्देशों का मालदीव और पाकिस्तान में पाए गए पांच अलग-अलग सिरप और दवाओं में उल्लंघन किया गया। एक फार्मासिस्ट ने मीडिय को बताया कि डीईजी और ईजी का उपयोग दुनिया भर में एंटीफ्रीज के लिए तरल तैयारी में किया गया था। इसमें हाइड्रोलिक ब्रेक लिक्विड, स्टैम्प पैड स्याही, बॉलपॉइंट पेन, सॉल्वैंट्स, पेंट, प्लास्टिक और प्रोडक्ट के इस्तेमाल की बात सामने आई है। ड्रेप के सीईओ असीम रऊफ के मुताबिक, नियामक ने प्रोटोकॉल जारी किए थे और सभी कंपनियां उनका पालन करने के लिए बाध्य थीं।

इजराइल/ हमास युद्ध : सरेंडर कर दो या...नेतन्याहू ने हमास को दी अंत के शुरुआत की चेतावनी

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास से हथियार छोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि गाजा में आत्मसमर्पण करने वाले और गिरफ्तार किए गए उसके सैकड़ों लड़ाकों ने आतंकवादी समूह के अंत की शुरुआत को चिह्नित किया है। नेतन्याहू की यह टिप्पणी तब आई है जब इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के दो महीने से अधिक समय बाद भी जारी है। नेतन्याहू ने एक बयान में कहा कि युद्ध अभी भी जारी है, लेकिन यह हमास के अंत की शुरुआत है। मैं हमास के आतंकवादियों से कहता हूं। यह खत्म हो गया है। (याह्या) सिनवार के लिए मत मरो। अब आत्मसमर्पण करो।

हालाँकि, कोई नरमी नहीं दिखाते हुए, हमास ने रविवार को इज़राइल को चेतावनी दी कि जब तक समूह की मांगें पूरी नहीं की जातीं, कोई भी बंधक क्षेत्र से जीवित नहीं निकलेगा। हमास की सशस्त्र शाखा के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने एक टेलीविजन प्रसारण में कहा कि न तो फासीवादी दुश्मन और उसका अहंकारी नेतृत्व और न ही उसके समर्थक बिना किसी आदान-प्रदान और बातचीत और प्रतिरोध की मांगों को पूरा किए अपने कैदियों को जिंदा ले जा सकते हैं। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर से गाजा में इजरायली हमलों में 17,100 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 48,780 घायल हुए हैं। इसके अलावा, युद्ध शुरू होने के बाद से इज़राइल में लगभग 1,200 लोग मारे गए हैं।

दिसंबर की शुरुआत में कतर की मध्यस्थता वाला युद्धविराम समझौता समाप्त होने के बाद इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गाजा में अपना जमीनी अभियान जारी रखा। इजरायली टैंकों ने युद्ध को एक बड़ा नया झटका देते हुए दक्षिणी गाजा के मुख्य शहर खान यूनिस के केंद्र तक अपना रास्ता बना लिया। खान यूनुस के निवासियों ने कहा कि रात भर की भीषण लड़ाई के बाद टैंक शहर के मुख्य उत्तर-दक्षिण मार्ग पर पहुंच गए थे, जिससे पूर्व से इजरायल की प्रगति धीमी हो गई थी। युद्धक विमान हमले के पश्चिम क्षेत्र में बमबारी कर रहे थे।

ऋषि सुनक को देना पड़ेगा इस्तीफा? क्या भारतवंशी होने की चुकानी पड़ेगी कीमत

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के भारतवंशी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के खिलाफ बागी सुर तेज हो गए हैं। इसका बिगुल फूंकने वाले कोई और नहीं बल्कि उन्हीं की कंजर्वेटिव पार्टी के तीन बड़े नेता हैं। अवैध प्रवासियों और शर्णार्थियों के मुद्दे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अपनी ही पार्टी में घिरे नजर आ रहे हैं। इसकी वजह उनके भारतवंशी होने को बताई जा रही है। दावा ये किया जा रहा है कि उन्हीं की पार्टी के कुछ नेता सुनक के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रच रहे हैं।

सुनक के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंकने वालों में सबसे बड़ा नाम ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस का है। दूसरी ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री सुएला ब्रिवैरमैन हैं। जबकि तीसरे पूर्व मंत्री रॉबर्ट जैनरिक हैं। इन्हीं तीन ने मिलकर अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर ऋषि सुनक को घेर रखा है। दरअसल ये तीनों नेता घोर कट्टरपंथी हैं। जबकि सुनक उतने ही धार्मिक और जिसकी बानगी अक्सर देखने को मिलती है। पीएम बनने के बाद वो लंदन में मोरारी बापू की कथा में पहुंचे और ये बता दिया कि वो भले ही अंग्रेजों के देश के पीएम हैं। लेकिन दिल से सच्चे सनातनी हैं। इसके बाद वो जी20 समिट में शामिल होने के लिए भारत आए तब भी हिंदू धर्म में उनकी आस्था साफ साफ दिखाई दी। सुनक ने अपनी पत्नी के साथ अक्षरधाम मंदिर में पूजा की।

दिवाली के मौके पर ऋषि सुनक ने अपने सरकारी आवास 10 डाउनिंग स्ट्रिट पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कहीं न कहीं ये बातें उनकी पार्टी के कुछ नेताओं को खटक रही हैं। लिज ट्रस के इस्तीफे के बाद ऋषि सुनक ऐसे वक्त में प्रधानमंत्री बने जब ब्रिटेन की इकोनॉमी क्रैश होने की कगार पर थी। लेकिन सुनक ने काफी हद तक इसे कंट्रोल करने की कोशिश की। वहीं सुएला ब्रेवरमैन को कुछ दिन पहले ही सुनक ने गृह मंत्री के पद से हटा दिया था।

रुस ने चेताया- कहा कोई नागरिक देश छोड़कर नहीं जाएगा, पासपोर्ट हो रहे जब्त

मॉस्को । अपनी अकड़ और विरोधियों के साथ सख्त रवैया रखने के लिए रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दुनियाभर में जाने जाते हैं। कभी नागरिकों के साथ सख्ती करना पड़े तो पुतिन उससे भी पीछे नहीं हटते हैं। हाल ही उनका एक आदेश कुछ इसी तरह के संकेत दे रहा है। रुस ने अपने ही देश के नागरिकों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि यहां का कोई भी नागरिक विदेश नहीं जाएगा। यहां तक की एक अभियान के तहत नागरिकों के पासपोर्ट भी जब्त करना शुरु कर दिया है। पासपोर्ट जमा करने के लिए नागरिकों को पांच दिन की मोहलत दी गई है। बता दें कि रूस में अगले साल राष्ट्रपति चुनाव होने हैं, और व्लादिमीर पुतिन पांचवीं बार सत्ता की रेस में हैं।

स्पेसेस एक्स ने लॉन्च किए 23 और स्टारलिंक इंटरनेट सैटेलाइट

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। अमेरिका की स्पेस कंपनी द्वारा स्टारलिंक सैटेलाइट्स लांच करने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार प्राइवेट स्पेस कंपनी स्पेसेस एक्स ने 23 और स्टारलिंक सैटेलाइट्स को ऑर्बिट में लॉन्च कर दिये है। सैटेलाइट्स को पूर्वी समयानुसार गुरुवार सुबह 12ः07 बजे अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से फाल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च किया गया था। स्पेसेस एक्स से मिली जानकारी के अनुसार केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से हुआ ये लॉन्च 2023 में कंपनी का 90वां ऑर्बिटल लॉन्च है, जबकि अब तक का यहा 280वां फाल्कन 9 लॉन्च था। लॉन्चिंग के समय मिशन के लिए मौसम आदर्श था, लेकिन मौसम विज्ञानिक अपनी नजर बनाए हुए थे। फाल्कन 9 का पहला चरण वापस लौटा और अटलांटिक महासागर में तैनात ए शॉर्टफॉल ऑफ ग्रेविटास (एएसओजी) ड्रोनशिप पर उतरा। कंपनी ने बाद में 23 उपग्रहों की तैनाती की पुष्टि की। स्टारलिंक एक सैटेलाइट नेटवर्क है जो रिमोट एरियाज में लो-कॉस्ट इंटरनेट उपलब्ध कराता है। इसका संचालन एलन मस्क द्वारा स्थापित अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी स्पेसेस एक्स द्वारा किया जाता है।

बता दें कि स्टारलिंक का लक्ष्य दुनिया के हर हिस्से में सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट पहुंचाना है। फिलहाल भारत में इसकी सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। इसके लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार चल रहा है। दरअसल स्टारलिंक एक अलग अप्रोच फॉलो करता है। ये एक-दो बड़े सैटेलाइट्स का इस्तेमाल करने की जगह हजारों छोटे सैटेलाइट्स को उपयोग में लाता है। कंपनी लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट्स का इस्तेमाल करती है। जो करीब 550 किलोमीटर ऊपर से धरती का चक्कर लगाते हैं। स्टारलिंक के जरिए अनलिमिटेड 150एमबीपीएस तक की स्पीड मिलती है। आने वाले दिनों में ये स्पीड और भी बढ़ जाएगी। सैटेलाइट इंटरनेट फाइबर जितना फास्ट तो नहीं होता। लेकिन, इसका एक बड़ा फायदा है इसकी हर जगह पहुंच हो जाती है।

मेरे पास कहने को कुछ नहीं, न्यूयॉर्क धोखाधड़ी मुकदमे में ट्रंप नहीं देंगे गवाही

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने न्यूयॉर्क धोखाधड़ी मामले में अपने बचाव में गवाही देने के बारे में अपना मन बदल लिया। उन्होंने घोषणा की कि वह उम्मीद के मुताबिक रुख नहीं अपनाएंगे क्योंकि उनके पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। ट्रुथ सोशल पर आश्चर्यजनक बयान पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने, अपने सबसे बड़े बेटों डॉन जूनियर और एरिक और ट्रम्प ऑर्गनाइजेशन के अन्य अधिकारियों के खिलाफ चल रहे मुकदमे में पहले ही हर चीज की गवाही दे दी है।

ट्रम्प से पिछले महीने अभियोजन पक्ष द्वारा पूछताछ की गई थी, जिसमें उन पर और अन्य प्रतिवादियों पर अधिक अनुकूल बैंक ऋण और बीमा शर्तों को प्राप्त करने के लिए अपनी अचल संपत्ति संपत्ति के मूल्य को अरबों डॉलर तक बढ़ाने का आरोप लगाया गया था। 6 नवंबर को चार घंटे तक, ट्रम्प ने अभियोजकों के साथ बहस की अपने तीखे जवाबों के कारण कई बार न्यायाधीश आर्थर एंगोरोन से फटकार लगाई, जिन्होंने वर्तमान रिपब्लिकन फ्रंट-रनर को चेतावनी दी कि यह एक राजनीतिक रैली नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि वह पहले ही मामले में बहुत सफलतापूर्वक और निर्णायक गवाही दे चुके हैं।

न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स द्वारा लाए गए सिविल मुकदमे और अगले साल के राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रम्प के खिलाफ गंभीर कानूनी कार्रवाइयों में से एक के कारण ट्रम्प रियल एस्टेट साम्राज्य को खतरे में डाल दिया गया है।

600 की आबादी वाला मेटामोर्फोसिस गांव डूबा बाढ में

मेटामोर्फोसिस । हाल में आए डैनियल तूफान की वजह से ग्रीस का 600 की आबादी वाला मेटामोर्फोसिस नाम का खूबसूरत गांव बाढ के पानी में डूब गया। आज स्थिति ऐसी है कि गांव के लोग यहां रहना नहीं चाहते हैं। यहां पर साल 1953 और 1994 में भी भयंकर बाढ़ आ चुकी है, लेकिन इसी साल सितंबर में 4 और 7 तारीख को भूमध्यसागर में आए चक्रवाती तूफान डैनियल ने इस गांव को पानी से डुबो दिया था। गांव की सभी इमारतों को पानी में डूबी हुई थी। गांव में आए भयानक चक्रवाती तूफान में 18 लोगों की मौत हुई, जिसमें से 2 लोग गांव में आई बाढ़ के पानी में डूब कर मर गए थे। अब गांव के लोग दूसरे शहर पलामास में बसने के लिए वोटिंग कर रहे हैं। इसमें गांव के 142 लोग पक्ष में जबकि 14 लोग विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों और समुदाय के अध्यक्ष का कहना है कि वे बाढ़ से निपटने के प्रयासों के इंतजार का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। समुदाय के अध्यक्ष पेट्रोस ने कहा कि हमारे गांव के लोगों की वोटिंग से पता चलता है कि लोग यहां पर रह कर और ज्यादा त्रासदी का सामना नहीं करना चाहते हैं। मेटामोर्फोसी समुदाय ने अपनी वोटिंग की रिपोर्ट पालामास म्यूनिसिपल ऑथरिटी के पास सौंपी है।

पाकिस्तान ने की भविष्यवाणी कहा- भारत दुनिया में होगा सबसे ताकतवर, तीसरी बार पीएम बनेंगे मोदी

कराची (एजेंसी)। हाल ही में भाजपा को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत मिली है। जिसके चर्चे दुनिया के कई देशों में हो रहे हैं। पाकिस्तान भी इससे अछूता नहीं है। पाक के जानकारों ने भविष्यवाणी करते हुए कहा है कि भारत दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार भी प्रधानमंत्री बनेंगे। अमेरिका में बसे पाकिस्तानी मूल के बिजनेसमैन और राजनीति के जानकारी साजिद तरार ने भी इस जीत पर प्रतिक्रिया दी है। तरार ने एक शो में इस बात पर हैरानी जताई है कि किस तरह से पीएम मोदी भारत की राजनीति में मजबूत होते जा रहे हैं। उनकी मानें तो आने वाली सदी भारत की है और पीएम मोदी की अगुवाई में देश तेजी से तरक्की के रास्ते पर है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना और जल्द ही टॉप3 में आएगा। पाकिस्तानी जर्नलिस्ट कमर चीमा के शो पर साजिद तरार ने भारत की तीन सफलताओं के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के सफल विदेशी दौरे, चंद्रयान, ग्लोबल साउथ का आगे बढ़ना, ये सबकुछ भारत को एक मजबूत वैश्विक शक्ति के तौर पर आगे बढ़ा रहा है। तरार की मानें तो मोदी है तो मुमकिन है, वाकई सच होने लगा है। पाकिस्तानी जर्नलिस्ट कमर चीमा के शो पर साजिद तरार से इस बारे में सवाल पूछा गया था। साजिद ने कहा, पीएम मोदी की अगुवाई में भारत टॉप 5 ग्लोबल पावर्स में एक देश के तौर पर सामने आ रहा है।

नरेंद्र मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर वापसी करेंगे। उनकी देश की राजनीति पर मजबूत पकड़ है। वहीं विपक्ष असंगठित है और कोई भी ऐसा नेता नहीं है जो पीएम मोदी को चुनौती दे सके। तरार ने आगे कहा कि इसका पूरा श्रेय पीएम मोदी को जाता है जिन्होंने अकेले दम पर ही भारत को अगले स्तर पर पहुंचा दिया। तरार की मानें तो भारत की सफलता की सबसे बड़ी सफलता एक गंभीर शासन का होना है। भारत की तरक्की की सबसे बड़ी वजह है कि पीएम मोदी जैसा राष्ट्रवादी नेता उसकी अगुवाई कर रहा है और वह आगे भी लीड करेंगे। तरार ने हाल ही में दुबई में हुए कोप28 का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत का जिस तरह से पीएम मोदी ने यहां पर नेतृत्व किया, वह देखने वाला था। तरार ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की उस टिप्पणी की तरफ भी ध्यान दिलाया जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका अब सुपरपावर नहीं है। तरार का कहना था कि भारत अब क्षेत्रीय ताकत से कहीं ज्यादा आगे बढ़ गया है। तरार का कहना है कि पाकिस्तान का मीडिया भारत की तरक्की की बात ही नहीं करता है। अगर वहां लोग हिंदुओं से इतनी नफरत है तो फिर वह बॉलीवुड की फिल्में क्यों देखते हैं। तरार ने बताया कि पाकिस्तान भारत से 100 साल पीछे चला गया है। भारत में 1300 यूनिवर्सिटीज हैं लेकिन पाकिस्तान में टूटे-फूटे 200 विश्वविद्यालय हैं। तरार के मुताबिक भारत के बायकॉट से पाकिस्तान को कोई फायदा नहीं होने वाला है।

संपादकीय

सुखी रहने के सूत्र

मेरे चिन्तन से यह कहूँ कि आज के समय में सुखी रहने का सूत्र जो हर आदमी बोलता है वो यह है भौतिक साधनों की प्राप्ति ही उनको सुख-सुविधाओं की अनुभूति देंगे ।जबकि यह सही नहीं है क्योंकि घमंड और पेट जब ये दोनों बढ़ते हैं तब इन्सान चाह कर भी किसी को अपने गले नहीं लगा सकता हैं । जिस प्रकार नींबू के रस की एक बूंद हजारों लीटर दूध को बर्बाद कर देती है ठीक > उसी प्रकार मनुष्य का अहंकार भी अच्छे से अच्छे संबंधों को बर्बाद कर देता है । अत: अक्सर ऊँचायों को छूने पर इंसान अपनी वास्तविक पहचान भूल जाते हैं और जिस दिन अहंकार हावी होता है तब सिवाए पतन के और कुछ हासिल नहीं होता हैं ।मन की लोभी तृष्णा का कोई अंत नहीं होता ।जैसे-जैसे सोचा हुआ हाशिल होता है वैसे-वैसे और नयी चाहत बढ़ने लगती है ।जिसका जीवन में कभी अंत ही नहीं होता ।जीवन की इस आपा-धापी में जीवन के स्वर्णिम दिन कब बीत जाते हैं उसका हम्हें भान भी नहीं रहता हैं । आगे जीवन में कभी सपने अधूरे रह गये तो किसी के मुँह से यही निकलता है कि कास अमुक काम मैं अमुक समय कर लेता ।उनके लिये बस बचता है तो किसी के कास तो किसी के जीवन में अगर ।तृष्णा तो विश्व विजेता सिकंदर की कभी पूरी नहीं हुयी और जब विदा हुआ तो ख़ाली हाथ ।इसलिये कर्म ज़रूर करो और जो कुछ प्राप्त हुआ उसमें संतोष करना सीखो ।जीवन की इस भागम-भाग में आख़िरी साँस कौन सी होगी वो कोई नहीं जानता ।जिसने जीवन में संतोष करना सीख लिया उसका जीवन आनंदमय बन गया ।ये हैं कतिपय सुखी रहने के सूत्र, सुखी जीवन के मंत्र।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष	व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
वृषभ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।
कर्क	आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
कन्या	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
तुला	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।
वृश्चिक	आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
धनु	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।
मकर	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।
कुम्भ	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सुरंग में रोशनी और जिंदगी का अंधेरा

सबसे अधिक गौरतलब है कि मेघालय की कोप्ली नदी का पानी इस गतिविधि के कारण अम्लीय बन चुका है। इस सबके बीच, यह संविधान की छठी अनुसूची का प्रावधान है, जो लालची खदान मालिकों को बचाए हुए है। तंग से तंग जगह में लगातार काम करने से रैटहोल माइनर्स पतली भूमिगत परतों में दबे कोयले को निकालने के लिए खुदाई, पिसाई और ढुलाई के अभ्यस्त हो गए हैं। हालांकि, इसके लिए उन्हें 'कुशल मजदूर' की संज्ञा देना सही न होगा क्योंकि प्रक्रिया मुख्यतः खुरचने, खोदने और पिसाई से खनन करने की है।

दीपांकर गुप्ता

तमाम नियम-कानूनों की अवहेलना करके बनाई जा रही सिलक्यारा सुरंग के हादसे में फंसे मज़दूरों को रैटहोल माइनर्स की बदौलत बचा लिया गया, गोकि भारत में यह तरीका प्रतिबंधित है। परिणाम में सफलता तो मिली लेकिन विरोधाभास भरी है। सत्रह दिनों तक व्यग्र कर देने वाली जद्दोजहद के बाद, सब मजदूरों का सकुशल निकल आना वाकई जश्न मनाने योग्य है, वहीं इस तथ्य को नज़रअंदाज़ न किया जाए कि यह त्रासदी बनने की नौबत ही नहीं बननी चाहिए थी। तदनुसार, हमें उन पर निर्भर होना पड़ा जिनकी रोजी-रोटी कानून तोड़ने से जुड़ी है और यह गतिविधि हमारी नीतियों के औचित्य का इम्तिहान भी है। यह प्रसंग याद दिलाता है कि वह गरीब ही है, जो अक्सर हमारे जीवन को इतना आरामदायक बनाता है। सिलक्यारा हादसे की तुलना यदि थाईलैण्ड में 2018 में किए गए साहसिक बचाव अभियान से की जाए, जब कुछ लड़के दुर्भाग्यवश अचानक आई बाढ़ में एक गुफा में फंस गए थे तो उत्तराखंड में निर्माणकर्मी मलबे में इसलिए फंसे क्योंकि सुरंग निर्माण में कानून और नियमों की अनदेखी हुई है और इसे बदनसीबी से उपजा हादसा करार नहीं दिया जा सकता। पुनः थाईलैण्ड बचाव अभियान के नायक वह थे जो शौकिया गुफा-गोताखोरी करते हैं, लेकिन इसमें उच्च दर्जे के कौशल की जरूरत होती है और घंटों तक पानी के भीतर रहकर अभियान करना संभव नहीं होता। लेकिन जिस टीम ने सिलक्यारा सुरंग में फंसे मज़दूरों को बचाया है, वह गरीब रैट माइनर्स हैं। उनकी महारत तंग से तंग जगह में सुरंगें बनाकर खनन करके कोयला निकालने में है, मुख्यतः यह काम मेघालय में होता है। वर्ष 2014 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने रैटहोल खनन को प्रतिबंधित कर दिया था लेकिन मेघालय के जैंतिया और खासी पहाड़ी क्षेत्र में यह काम चोरी-छिपे निरंतर जारी है। वहां खदानों में कोयला महीन भूमिगत पट्टियों में मौजूद है। लिहाजा रिवायती खनन की तकनीकें वहां बेकार हैं और यही वजह है कि खान मालिक तंग सुरंगों में वंचित और अकुशल मेहनतकशों को झोंकते हैं। मेघालय में रैटहोल माइनिंग करना आम है और जितना हो सके आलोचना लायक। संविधान की छठी अनुसूची के तहत इस राज्य की भूमि पर समुदायों का हक सुरक्षित है। निजी पक्षों ने इसकी आड़ लेकर व्याख्या कुछ इस तरह कर रखी है मानो उन्हें भू-भाग का बेरोकटोक दोहन करने की छूट सरकार से मिल गई है। मेघालय में रैट माइनिंग जारी रहने की पीछे वजह यही है। रैटहोल माइनिंग न केवल गलत है बल्कि खतरनाक भी क्योंकि खोखली खदानों में अचानक पानी भरने के कारण कई मज़दूर मर चुके हैं। शारीरिक नुकसान के सीधे जोखिम के अलावा जिस ढंग से कोयला निकाला जाता है वह पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है। सबसे अधिक गौरतलब है कि मेघालय की कोप्ली नदी का पानी इस गतिविधि के कारण अम्लीय बन चुका है। इस सबके बीच, यह संविधान की छठी अनुसूची का प्रावधान है, जो लालची खदान मालिकों को बचाए हुए है। तंग से तंग जगह में लगातार काम करने से रैटहोल माइनर्स पतली भूमिगत परतों में दबे कोयले को निकालने के लिए खुदाई, पिसाई और ढुलाई के अभ्यस्त हो गए हैं। हालांकि, इसके लिए उन्हें 'कुशल मजदूर' की संज्ञा देना सही न होगा क्योंकि प्रक्रिया मुख्यतः खुरचने, खोदने और पिसाई से खनन करने की है। आज जब हम सिलक्यारा में किए साहसिक बचाव कार्य के लिए इनको शाबाशी दे रहे हैं तो क्या सोचा कि ये नायक फिर से किन परिस्थितियों में खटने को वापस जा रहे हैं? लोगों के ज़हन में उनकी याद बहुत कम समय तक रहेगी। सिलक्यारा अभियान में 26 घंटों तक लगातार अंधेरे में काम करने के बाद, जब शाम के धुंधलके में वे वापस आए तो अगले दिन सूरज की रोशनी ठीक से लेने से पहले ही उनकी वापसी हो गई। हमें तो सही में उनके नाम तक पता नहीं हैं न ही जानते हैं कि वे कहां के मूल निवासी हैं। कुछ अपुष्ट खबरों के अनुसार अधिकांश अल्पसंख्यक और जनजातीय समुदाय से हैं लेकिन क्या वास्तव में? बचाव अभियान में रैटहोल माइनर्स को लगाने के पीछे मुख्य वजह यह रही कि अमेरिका निर्मित परिष्कृत होरीज़ॉन्टल ड्रिलिंग ऑगर मशीन बीच कार्य में नकारा हो गई और जिसकी मरम्मत संभव नहीं थी। समय कम पड़ता जा रहा था और कुछ मीटर की खुदाई अभी बाकी थी, जिससे मंजिल पुनः काफी दूर लगने लगी। यहां दूसरी भारी विद्रूपता यह है कि जब आयातित महंगी मशीन असफल रही तो यहां हाथों और पंजों से की जाने वाली सस्ती खुदाई ने कमाल कर दिखाया। संयोगवश रैटहोल माइनर्स को समांतर खुदाई करने में महारत हासिल है, इसी खासियत के दम पर वे मेघालय में महज दो मीटर चौड़ी कोयला पट्टी से कोयला खोदकर निकाल लेते हैं। ऑगर मशीन के ठप्प पड़ने के बाद बाकी बची समांतर खुदाई रैटहोल माइनर्स ने कर दिखाई। कल्पना करें, अक्सर बच्चों को इस किस्म के खतरनाक कामों में लगाया जाता है फिर भी दोहन करने वालों की अंतरात्मा उन्हें झंझोड़ती नहीं। दुर्भाग्यपूर्ण सच यह है कि आम निर्माण कार्यों में भी जोखिम का अवयव नहीं गिना जाता। ऊंची इमारतों में, ईंटों की चिनाई या पलस्तर करने में लगे राज-मिस्त्री को व्यक्तिगत सुरक्षा-उपकरण से लैस होकर काम करते शायद ही कहीं देखा हो। पुल निर्माण करने में भी गिरकर मरने की खबरें अक्सर मिलती हैं, यह सब केवल किसी सुदूर पर्वतीय पहाड़ी इलाके में न होकर सुरंग निर्माण या शहरों में भवन बनाने में भी होता रहता है। अतंर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट बताती है कि निर्माण कार्य संबंधी मौतों में भारत सबसे आगे है, जहां लगभग 38 जानलेवा दुर्घटनाएं रोजाना होती हैं। जहां गरीबी मज़दूरों को सुरक्षा जरूरतों की परवाह न करने को मजबूर करती है वहीं ताकतवर पदों पर बैठे लोग इस कमजोरी का फायदा उठाते हैं। सिलक्यारा में रैटहोल माइनर्स के साहसिक अभियान उपरांत भी हमने एक बार फिर से यही होते देखा है। पिछले महीने, सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को निकाल लाने के बाद रैट माइनर्स को रस्मी तौर पर फूलमालाएं पहनाईं और फिर वहीं वापस भेज दिया, जहां से आए थे। कहां तो उम्मीद थी कि यह भयावह प्रसंग रैटहोल माइनिंग पर पुनर्विचार करने को प्रेरित करता, जो कि वास्तव में, पर्यावरण नियमों की उल्लंघना करके पहाड़ों में सुरंगें बनाना है। किंतु इससे कहीं दूर, हमें ऐसे रैटहोल माइनर्स अपने देश में होने पर गर्व हो रहा है और हम 'भारतीय जुगाड़' के कसीदे पढ़ने में लगे हुए हैं।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

राष्ट्रवाद, विकास और आरक्षण का चुनावी दांव

प्रदीप मिश्र

उत्तर भारत के तीन राज्यों में चुनाव जीतने से उत्साहित भाजपा केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर में अगले वर्ष लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई लगती है। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन और आरक्षण से संबंधित संशोधन विधेयक पारित करवा कर पूर्ववर्ती राज्य में पांच अगस्त, 2019 के बाद हुए बदलाव और विकास को बहस का मुद्दा बना दिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अधिकारों से वंचित पिछड़ों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों, कश्मीरी पंडितों और पीओजेके शरणार्थियों को आरक्षण देकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की प्रभावी पहल कर दी। अनुच्छेद 370 इसमें बाधा थी। इसी कारण यहां मंडल आयोग की सिफारिशों के मुताबिक ओबीसी को तीन दशक बाद भी आरक्षण नहीं दिया जा सका। आतंकी घटनाओं में 70 फीसदी की कमी, पर्यटकों की संख्या दो करोड़ से ज्यादा होने और प्राकृतिक संसाधनों के समुचित इस्तेमाल के लिए निवेश बढ़ने के आंकड़ों के बहाने उन्होंने 2024 पर निगाह का स्पष्ट संकेत दे दिया। यही वजह है कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से लेकर केंद्र सरकार के नुमाइंदे दावा करने लगे हैं कि 2026 तक आतंकवाद का खात्मा जड़ से कर दिया जाएगा। निःसंदेह, जम्मू-कश्मीर में काफी कुछ बदला है। उद्योगों के लिए 56 हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव हैं। कुल 26 हजार करोड़ के काम शुरू हो चुके हैं। दो साल में 350 से ज्यादा फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। श्रीनगर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद एक मल्टीप्लेक्स और चार सिनेमाहॉल खुल चुके हैं। दुबई का इमर समूह श्रीनगर में 500 करोड़ रुपये से मॉल बना रहा है। जी-20 के आयोजन से जम्मू-कश्मीर को नई अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है। श्रीनगर में 35 साल बाद पहली बार दशहरे पर शोभायात्रा निकाली गई तो शिया समुदाय 33 साल बाद मोहर्रम पर जुलूस निकाल सका। सीमावर्ती इलाकों में दिवाली मनाई गई। यही कारण है कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद सेना पर ज्यादतियों का आरोप लगाने के बाद चर्चा में आई जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ की पूर्व उपाध्यक्ष शेहला राशिद को अब यहां अमन-चैन लगने लगा है। एक तरह से वह सियासी फायदा उठाने के लिए जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा की अघोषित ब्रांड एंबेसडर बन रही हैं। दूसरी ओर भाजपा के लिए राम मंदिर, समान नागरिक संहिता और अनुच्छेद 370 की ही तरह पाकिस्तान के कब्जे से पीओजेके वापस लेना राष्ट्रवाद का अहम मुद्दा है। संसद के दोनों सदनों में 22 फरवरी, 1994 को पीओके वापसी का सर्वसम्मत संकल्प लिया गया था। उस समय कांग्रेस के पीवी नरसिंहराव प्रधानमंत्री थे। केंद्र ने अनुसूचित जातियों को नौ और अनुसूचित जनजातियों को सात सीटों के लिए राजनीतिक आरक्षण देकर सामाजिक न्याय देने की अवधारणा की ओर एक कदम बढ़ाया है। अनुसूचित जातियों को तो पहली बार आरक्षण दिया गया है। पहाड़ी समुदाय की कई जातियों को अनुसूचित जनजाति का हिस्सा बनाया गया है। इन समूहों को नौकरियों में तो आरक्षण मिलता था लेकिन राजनीतिक आरक्षण से वंचित रखा गया था। इसके लिए जुलाई में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की सूची का विस्तार किया गया था। इसी तरह ओबीसी आरक्षण की बाधाओं को दूर करने के लिए अनुच्छेद 370 हटने के बाद 2004 के राज्य सरकार के आरक्षण अधिनियम में बदलाव किया गया था। आयोग बनाकर इसका आकलन किया गया। माना जा रहा है कि यहां की 40 फीसदी आबादी पिछड़ा वर्ग के दायरे में है। कश्मीरी पंडितों के लिए दो और पीओजेके के प्रतिनिधित्व के लिए एक सीट मनोनयन कोटे में आरक्षित की गई है। कश्मीरी पंडितों में एक महिला की नियुक्ति अनिवार्य होगी। कश्मीरी पंडितों के रूप में जम्मू-कश्मीर में 46,631 परिवार हैं। इनसे जुड़े 1,58,976 लोग बतौर परिजन पंजीकृत हैं। इसी तरह कश्मीरी विस्थापितों की संख्या 41,884 है। गौरतलब है कि 2018 के पंचायत चुनाव में भाजपा ने प्रत्याशियों के तौर पर महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया था। भाजपा जानती है कि 370 हटाए जाने के बाद राजकाज, कारोबार, नौकरियों और जमीन-जायदाद की खरीद में देश के अन्य राज्य के लोगों का दखल बढ़ने से जम्मू की जनता में ही जद्दोजहद नहीं है, कश्मीरी अवाम भी कशमकश में है। राष्ट्रीय मुद्दों आतंकवाद-अलगाववाद से सुरक्षा, स्थिर सरकार, सुशासन के प्रभाव में स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। ऐसे में पार्टी राष्ट्रवाद, विकास कार्य, निवेश और आरक्षण को मुद्दा बनाकर पहली बार अपने बल पर सरकार बनाने का इनाम चाहती है। विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक आजाद पीपुल्स पार्टी, अपनी पार्टी, पीपुल्स कान्फ्रेंस आदि परोक्ष रूप से उसके मददगार होंगे। नेशनल कान्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और कांग्रेस 'इंडिया' के बैनर तले एक साथ लड़ने का दमखम ठोकेंगे। वैसे यह जानना जरूरी है कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के जुलाई-सितंबर, 2023 के आंकड़े बताते हैं कि जम्मू-कश्मीर के शहरी इलाकों में 15 से 29 वर्ष के आयु वर्ग में बेरोजगारी की दर 29.8 प्रतिशत रही है, जो देश में तीसरे स्थान पर है। माना जा रहा है कि अनुच्छेद 370 और 35ए खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 दिसंबर को सुप्रीमकोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ फैसला सुना देगी। पीठ ने पांच सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसले के बाद भाजपा की चुनावी तैयारी जहां तेज हो जाएगी, वहीं चुनाव आयोग भी प्रक्रिया शुरू कर सकता है। चुनाव आयोग के लिए लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव कराना सुविधाजनक होगा, वहीं प्रशासन के लिए भी यह सुरक्षा और खर्च के हिसाब से किफायती होगा। चुनाव आयोग इस चुनाव के बाद एक देश एक चुनाव की पहल को भी आगे बढ़ा सकता है।

विचार मंथन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक के खिलाफ बगावत

(लेखक- सनत जैन)

ब्रिटेन के भारतवंशी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के खिलाफ अवैध प्रवासियों और शरणार्थियों के मुद्दे पर तीन बागी नेता उठ खड़े हुए हैं। इसमें एक भारतवंशी सुयेला ब्रेवरमैन प्रधानमंत्री सुनक के खिलाफ नेतृत्व कर रही हैं। श्वेत कट्टरपंथी नेता लिज ट्रस को भी उनका पूरा समर्थन मिल रहा है। दोनों नेताओं की सुनक के खिलाफ सियासी रंजिश भी है। लिज ट्रस को हटाकर सुनक प्रधानमंत्री बने थे। सुनक ने हाल ही में सुयेला को अपने मंत्रिमंडल से हटाया था। यह दोनों नेता मिलकर अवैध प्रवासियों से जुड़े हुए रवांडा बिल पर प्रधानमंत्री का विरोध कर कट्टरपंथी खेमे से समर्थन पा रहे हैं। रवांडा बिल को 12 दिसंबर को निचले सदन हाउस ऑफ कॉमंस में रखा जाएगा। प्रधानमंत्री सुनक पर इसके पहले ही इस्तीफा देने का दबाव बनाया जा रहा है। सुनक ने पार्टी के अध्यक्ष रिचर्ड होल्डन को अपने पक्ष में कर लिया है। होल्डन, सुनक के पक्ष में आ गए हैं। उनका कहना है कि चुनाव के 1 साल पहले सुनक को हटाने से पार्टी पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच में प्रधानमंत्री सुनक खासे लोकप्रिय हैं। सुपर रिच टैक्स 20 फ़ीसदी बढ़ाने से ब्रिटेन के उच्च वर्गीय प्रधानमंत्री सुनक से नाराज हैं। यह भी कहा जा रहा है, कि यदि निचले सदन में रवांडा बिल को सुनक पास नहीं करा पाते हैं। तो वह अंतिम समय में संसद भंग करने का दांव चल सकते हैं। बहरहाल क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। ब्रिटेन में जिस तरह से भारतवंशी एकजुट हो रहे हैं। समय-समय पर शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं। ऋषि सुनक को लेकर भारत और ब्रिटेन में जिस तरह का वातावरण बनाया गया है, उसके कारण श्वेत कट्टरपंथी, प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। इसका खामियाजा अब भारतवासियों पर पड़ रहा है। नए नियम में प्रवासी अपने परिवार के किसी सदस्य को ब्रिटेन नहीं बुला पायेंगे। 20 फीसदी वेतन की जो छूट थी। वह बिल पास हो जाने पर वहीं रहेगी। अवैध रूप से ब्रिटेन गये भारतीयों को वापिस भारत भेजा जाएगा। अवैध प्रवासियों और शरणार्थियों के मसले में वह भारत की मदद कर पाएं, अब सुनक करने की स्थिति में भी नहीं रहे। जो नये नियम कायदे कानून बना रहे हैं, उससे सबसे ज्यादा नुकसान भारतीय समुदाय को हो रहा है। भारत वंशी होने के कारण अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर नरम रुख अपनाने का आरोप उन पर लगाया जा रहा है। सुनक विरोधी नेता ज्यादा से ज्यादा कंजरवेटिव पार्टी के नेताओं को इस्तीफा देने के लिए लामबंद कर रहे हैं। अंदर ही अंदर गुप्त बैठकें चल रही हैं। जिस तरह भारत में विदेशी नागरिकता को लेकर क्रिया प्रतिक्रिया होती है। वही दबाव ब्रिटेन में ऋषि सुनक को झेलना पड़ रहा है। वह ऐसे भंवर जाल में फंस गए हैं, जहां से निकल पाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। श्वेत कट्टरपंथी नेता और श्वेत आम जनता उनके खिलाफ एकजुट हो रही है। वह भारत का जो फायदा कर सकते थे, वह भी नहीं कर पा रहे हैं। अब अपनी कुर्सी बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कनाडा ब्रिटेन और अमेरिका के साथ वर्तमान में पृथक खालिस्तान को लेकर जो रिश्ते भारत ने बना रखे हैं। कनाडा और अमेरिका में हत्या करने का आरोप भी भारत सरकार पर लग रहा है। इसका असर भी ब्रिटेन की राजनीति में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। अब इसकी क्रिया और प्रतिक्रिया कैसी होगी, इसके लिए हमें समय का इंतजार करना पड़ेगा। भारत सरकार को भी रिश्तों को लेकर ज्यादा सजग रहने की जरूरत है। अमेरिका कनाडा और ब्रिटेन में जिस तरीके के प्रदर्शन भारतीय समुदाय ने किए हैं। उससे वहां के कट्टरपंथी तेजी के साथ सक्रिय हो गए हैं। इस बात का भी हमें ध्यान रखना होगा।

सबसे खास सर्दियों का अहसास

हर साल एक नया अहसास है ठंड का मौसम। इस बार ठंड में सर्दी-जुकाम से डरने की जगह इनसे लड़ने के लिए खुद को और अपने परिवार को तैयार कीजिए। ठंड के लिए ऐसे ऊनी कपड़ों का चुनाव कीजिए, जो आपके परिवार को पर्याप्त गर्माहट दे और साथ ही स्टाइलिश लुक भी। कैसे चुनें ऊनी कपड़ों और उनकी देखभाल के दौरान किन बातों को ध्यान में रखें -

सर्दी के मौसम में बदरंग और बोरिंग दिखने के दिन अब लद गए। जाड़े का मौसम भी अब स्टाइलिश हो गया है। ठंड से बचने के लिए अब जरूरी नहीं कि खुद को बोरिंग और गहरे रंग के कपड़ों के हवाले कर दिया जाए। ठंड से खुद को और अपने परिवार को बचाते हुए अब आप स्टाइलिश भी दिख सकती हैं, पर इसके लिए जरूरी है कि अपने कपड़ों का चुनाव आप सोच-समझकर करें और साथ ही गर्मी के कपड़ों और ठंड के कपड़ों के बीच अच्छा तालमेल भी बिठाएं।

लेयरिंग का है मौसम

वो दिन गए जब ठंड के मौसम में अपने कपड़ों की परत को छुपाने की कोशिश करते थे। अब एक साथ दो-तीन कपड़े पहनने और उन्हें दिखाने का ट्रेंड आ गया है। अपने ठंड के कपड़ों को निकालें और तरह-तरह के कॉम्बिनेशन में उन्हें पहनें। जरूरी नहीं है कि ठंड का मौसम आते ही आप अपने गर्मी वाले कपड़ों को अलविदा कह दें। उन्हें भी ठंड के मौसम में अपने गर्म कपड़ों के बीच जगह दें। ठंड के मौसम में फैशनेबल दिखने का मूलमंत्र यही है। अपने जैकेट, कार्डिगन और पुलोवर को अपने कॉटन के शर्ट या ड्रेस के साथ पहनें। एक्सपेरिमेंट करने से नहीं घबराएं। एक्सपेरिमेंट करेंगी, तभी कपड़ों की कई परत के साथ भी औरों से अलग दिखेंगी।

सोच-समझकर चुनें रंग

ठंड के मौसम में हमेशा गहरे और आकर्षक रंग चुनें। पेस्टल रंग के कपड़े ठंड के मौसम को नीरस बना देंगे। ठंड के कपड़े खरीदते वक्त ऐसे रंग चुनें जो इस बदरंग मौसम में रंग भरें। ऐसे स्वेटर या ऊनी कपड़े न चुनें, जिसके पैटर्न में एक साथ ढेर सारे रंग हों। साधारण पैटर्न और एकाध रंग वाले ऊनी कपड़े चुनें। ऑरेंज, गोल्डन ब्राउन, ऑफ व्हाइट या फिर पीले रंग वाले ऊनी कपड़े पहनने से बचें।

एक्सेसरीज भी बदलें

अपनी एक्सेसरीज में बदलाव लाकर आप अपने लुक को बेहद आसानी से बदल सकती हैं। अगर ठंड बहुत ज्यादा है तो पशमीना शॉल को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। साथ ही आप स्टाइलिश मफलर और फर वाले स्टोल से भी स्टाइल स्टेटमेंट बना सकती हैं। हैट्स और ऊनी टोपी भी ठंड के मौसम में आपको स्टाइलिश लुक देंगे और ठंड से भी बचाएंगे।

फ्लोरल प्रिंट्र से बनाएं दूरी

फ्लोरल प्रिंट के कपड़े गर्मी के मौसम में ही ज्यादा अच्छे लगते हैं। अगर आपको ये प्रिंट बहुत ही ज्यादो पसंद हैं और आप ठंड में भी इन्हें पहनना चाहती हैं तो ठंड के मौसम में थोड़े गहरे प्रिंट वाले कपड़े अपने लिए चुनें। ठंड के मौसम के आपके वॉर्डरोब में ये गहरे फ्लोरल पिंट्र वाले कपड़े आसानी से घुल-मिल जाएंगे। अगर आप फ्लोरल प्रिंट्र वाले कपड़े पहन ही रही हैं तो पूरी बाजू वाले कपड़े चुनें। इससे फ्लोरल प्रिंट का असर कुछ कम हो जाएगा।

बूट्स से बनें फैशनेबल

गर्मियों के फुटवियर को कुछ माह आराम दें और जूते और बूट्स को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। अपनी गर्मी के मौसम के कपड़े को ठंड वाला लुक देने के लिए इससे बेहतर तरीका कुछ और नहीं। जींस और कार्डिगन के साथ बूट्स पहनें और ठंड से बचने के साथ-साथ इस मौसम के अनुकूल लुक भी पाएं।

बच्चों जैसे मुलायम, उनके कपड़े

ठंड से मासूम बच्चों को बचाकर रखना आसान काम नहीं है। बच्चों के लिए ठंड का मौसम सेहत भरा रहे, इसके लिए जरूरी है कि इस सर्द मौसम में भी वो पूरी तरह से गर्म रहें। बच्चों के लिए ठंड के कपड़ों का चुनाव करते वक्त इसलिए हमेशा फैशन और ट्रेंड की जगह उनके आराम और कपड़ों की गर्माहट का ध्यान रखें। बच्चों के लिए हमेशा मुलायम और आरामदायक ऊनी कपड़े चुनें। कपड़े का फैब्रिक ऐसा हो जो उनकी मुलायम त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचाए। बच्चों के ऊनी कपड़े हमेशा थोड़े हल्के रंग के चुनें ताकि आपको आसानी से पता चल सके कि वो कब गंदे हो गए हैं और उन्हें साफ करने की जरूरत है। बच्चे को कभी भी एक साथ ढेर सारे कपड़े न पहनाएं। बहुत ज्यादा कपड़े पहनाने पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। बच्चे के लिए ढीली फिटिंग वाले और ढेर सारे बटन वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि इन कपड़ों को पहनाते और उतारते वक्त आपको और आपके बच्चे दोनों को परेशानी न हो। बच्चे के लिए पूरी बाजू वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि उनके हाथ भी गर्म रहें। अगर ठंड बहुत ज्यादा हो तो बच्चे के कान में रुई के फाहे डाल दें और ऊनी टोपी या स्कार्फ पहनाएं ताकि बच्चे का सिर भी गर्म रहे। कभी भी बच्चे को सबसे पहले ऊनी कपड़ा न पहनाएं। पहले नीचे कोई सूती कपड़ा पहनाएं और उसके ऊपर से उसे ऊनी कपड़ा पहनाएं। बच्चे की त्वचा में किसी तरह की एलर्जी न हो, इसलिए ठंड के मौसम में उसके पूरे शरीर में हर दिन विंटर क्रीम लगाएं। ठंड बहुत ज्यादा हो, तब भी सोते वक्त बच्चे को ढेर सारे कपड़े न पहनाएं और न ही उनके ऊपर ढेर सारे कंबल डालें। बच्चे के पैरों को गर्म रखने के लिए उनके लिए ऐसे पाजामे खरीदें, जिनके साथ जुराबें जुड़ी हुई रहती हैं। बच्चे के हाथ भी जल्दी ठंडे हो जाते हैं, इसलिए उनके हाथों को गर्म रखने के लिए उन्हें ग्ल्वस पहनाना न भूलें।

खिल उठेंगे आपके ऊनी कपड़े

- ऊनी कपड़ों की ओर बैक्टीरिया और धूल-मिट्टी जल्दी आकर्षित होते हैं, इसलिए अपने जैकेट और कोट को नियमित अंतराल पर ब्रश से साफ करें। इससे आपके सर्दियों के कपड़े न सिर्फ साफ रहेंगे, बल्कि किसी तरह की स्किन एलर्जी और रैशेज होने की आशंका भी नहीं रहेगी।
- ठंड के कपड़ों को बीच-बीच में धूप में सुखाएं। पर ध्यान रहे कि सूरज की तेज रोशनी आपके ऊनी कपड़ों पर सीधी न पड़े। ऐसा करने से आपके ऊनी कपड़े बदरंग हो जाएंगे। वहीं धूप में ऊनी कपड़ों को सुखाने से उसकी नमी गायब हो जाएगी और साथ ही सभी कीटाणु भी मर जाएंगे। ऊनी कपड़े को धूप में सुखाने से वो न सिर्फ आपको ज्यादा गर्माहट देंगे, बल्कि उन्हें पहनने पर भी आपको ज्यादा अच्छा महसूस होगा।
- अपने भारी-भरकम स्वेटर को वॉर्डरोब में लटकाकर नहीं रखें। भारी स्वेटर को लटकाकर रखने से स्वेटर की फिटिंग बिगड़ जाती है। साथ ही हैंगर से स्वेटर को लटकाकर रखने से कंधे वाले हिस्से के जल्दी फटने की आशंका बढ़ जाती है।
- ऊनी कपड़े बेहद नाजुक होते हैं। लंबी उम्र देने के लिए ऊनी कपड़ों को धोने के लिए हमेशा माइल्ड साबुन या डिटर्जेंट और गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। माइल्ड साबुन और डिटर्जेंट के इस्तेमाल से आपके ऊनी कपडमें की चमक और उनका वास्तविक लुक बरकरार रहेगा। गुनगुना पानी आपके ऊनी कपड़ों में छिपे कीटाणुओं को मारेगा और उसकी स्वच्छता को बरकरार रखेगा।
- स्वेटर और कार्डिगन में अकसर रोंए हो जाते हैं। ये रोंए स्वेटर और किसी अन्य वस्तु के बीच रगड़ खाने से होते हैं। ये रोंए आपके नए और स्टाइलिश स्वेटर को भी पुराना और गंदा लुक दे सकते हैं। इन रुंओं को हटाने के लिए छोटे रेजर का इस्तेमाल करें और अपने स्वेटर को फिर से नया लुक दें।
- अपने स्वेटर पर लगे दाग-धब्बों को हटाने के लिए कभी भी उन पर ब्लीच का इस्तेमाल न करें। ब्लीच के इस्तेमाल से आपका स्वेटर बदरंग हो जाएगा। कभी भी ऐसे डिटर्जेंट में स्वेटर न धोएं, जिसमें ब्लीच हो।
- एक ही स्वेटर को तीन दिन से ज्यादा लगातार न पहनें। ऐसा करने से स्वेटर का शेप बिगड़ जाता है। साथ ही आपका स्वेटर जल्दी खराब और पुराना भी हो जाएगा।

ठंड में बच्चा न हो पस्त

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं -

रोटा वायरल डायरिया - इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी-कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है।

एलर्जी और अस्थमा - इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

आंखों में इंफेक्शन - इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है।

त्वचा में लाल दाने - सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्राय- छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है।

निमोनिया - यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी-कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

क्या है कारण

ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना - सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है।

बड़ों की लापरवाही - अक्सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।

किसी भी चीज को मुंह में लेना - अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है।

नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना - आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कमरे के तापमान का ध्यान न रखना - ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

कैसे करें बचाव

सफाई का रखें ध्यान - धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें।

नहलाना कम करे - रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें।

गर्म कपड़े पहनाएं - जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें।

मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें - यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें।

संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे - अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे।

ठंडी चीजें खाने को न दें - अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें।

बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं - स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, क्योंकि वूलन से कभी-कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।

बुजुर्ग और बच्चे ठंड के मौसम में सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। बुजुर्ग तो अपनी तकलीफ बता सकते हैं, पर बहुत छोटे बच्चे तो वो भी नहीं कर

वेडिंग लुक तालमेल है जरूरी

इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

बहुत बुरी कुक हूं। लेकिन तुम्हारी कुकिंग का जवाब नहीं है। तुम ओवर इमोशनल हो और मैं प्रैक्टिकल। एक लाइन में कहूं तो हम दोनों एक दूसरे को बैलेंस करते हैं। हम परफेक्ट लाइफ पार्टनर हैं क्योंकि हमारा आपसी तालमेल बेजोड है। मैं चाहती हूं कि यही तालमेल हमारे वेडिंग डे पर हमारे लुक में भी नजर आए। यह तर्क सामने रखकर अंशिका ने अपने मंगेतर अंश को कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग डे लुक क्रिएट करने के लिए राजी कर ही लिया। अंशिका और अंश की तरह इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

कलर केमिस्ट्री

जो कपल्स जटिल की जगह सहज अभिव्यक्ति को तरजीह देते हैं, उन्हें रंगों पर आधारित कॉम्प्लिमेंट्री लुक चुनना चाहिए। इस तरह की मैचिंग में कलर व्हील की मदद ली जा सकती है। व्हील में एक-दूसरे के सामने आने वाले रंग एक दूसरे को कॉम्प्लिमेंट करते हैं। जैसे, ऑलिव-मरून, रस्ट-मिडनाइट ब्ल्यू और वायलेट-ऑरेंज आदि। इन रंगों के बीच जबर्दस्त कंट्रास्ट फैक्टर होता है जिसके चलते इनका कॉम्बिनेशन बेहद वाइब्रेंट लगता है। ऐसे में दूल्हा-दुलहन इन कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स के परिधान पहन सकते हैं।

काल आधारित

इन दिनों किसी विशेष काल पर आधारित वेडिंग वेयर पहनने का चलन जोरों पर है। वुडबी कपल्स मुगल काल, विक्टोरियन काल या विंटेज काल पर आधारित परिधान पहन सकते हैं। जैसे विंटेज काल में प्रचलित रंग और एंब्रॉयडरी दुलहन के लहंगे और दूल्हे के कुर्ते में नजर आए। लेकिन इस तरह की मैचिंग करते समय कपल्स को ध्यान रखना चाहिए कि वह किसी काल के दो या तीन फीचर्स को ही अपने परिधानों के माध्यम से अभिव्यक्त करें। बहुत ज्यादा फीचर्स की अभिव्यक्ति उन्हें वेडिंग कपल्स की जगह किसी ऐतिहासिक नाटक का पात्र बना देगी।

वर्क या प्रिंट आधारित

परिधानों पर किए गए वर्क या प्रिंट में तालमेल बैठाना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में कोऑर्डिनेशन का एक बेहतरीन तरीका है। आप विभिन्न तरीकों से एंब्रॉयडरी या प्रिंट के आधार पर यह तालमेल बैठा सकते हैं। जैसे, दुलहन के दुपट्टे और दूल्हे के स्टोल की एंब्रॉयडरी एक जैसी रख सकते हैं। इसी तरह दुलहन के लहंगे के पैनल का प्रिंट दूल्हे की पगडी के प्रिंट में भी नजर आ सकता है। या दूल्हे और दुल्हन के परिधानों के बॉर्डर में एक कॉमन प्रिंट हो सकता है।

एक्सेसरीज आधारित

कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेसरीज पहनना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में सामंजस्य बैठाने का एक खास तरीका है। आप चाहें तो कॉम्प्लिमेंट्री एन्गेजमेंट रिंग्स, ब्राइडल वॉच-ग्रूम कफलिंग या ब्राइडल ईयररिंग्स-ग्रूम कफलिंग्स जैसे कॉम्बिनेशन कैरी कर सकती हैं। ब्राइड और ग्रूम की ज्यूलरी में कॉम्प्लिमेंट्री कलर स्टोन का इस्तेमाल भी अच्छा लगेगा।

जायडस लाइफसाइंसेज ने डेवूंग से किया लाइसेंसिंग समझौता

नई दिल्ली । जायडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड ने प्रोस्टेटिक कैंसर, एंडोमेट्रियोसिस और गर्भाशय लेयोमायोमाटा (फाइब्रॉएड) के इलाज के लिए ल्यूप्रोलाइड एसीटेट के एक जेनेरिक संस्करण के सह-विकास तथा व्यावसायीकरण के वास्ते दक्षिण कोरिया की कंपनी डेवूंग फार्मास्युटिकल को लिमिटेड के साथ एक लाइसेंसिंग समझौते किया है। जायडस ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि जायडस वर्ल्डवाइड डीएमसीसी और डेवूंग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड ने अमेरिकी बाजार के लिए ल्यूप्रोलाइड एसीटेट के सह-विकास और व्यावसायीकरण के वास्ते एक विशेष लाइसेंसिंग समझौता किया है। जायडस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम ल्यूप्रोन डिपो के जेनेरिक संस्करण के लिए डेवूंग के साथ काम करके खुश हैं, जिससे रोगियों को महत्वपूर्ण चिकित्सा तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी। यह जायडस के जटिल इंजेक्टेबल खंड को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है।

यूएई से बढ़ेगा कच्चे तेल का आयात

मुंबई । लंबे अरसे तक यूएई भारत को कच्चे तेल का प्रमुख आयातक रहा है लेकिन रूस से कच्चे तेल का अत्यधिक आयात होने के कारण यूएई से खेप में तेजी से गिरावट आई। आने वाले महीनों में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत को कच्चे तेल का आयात बढ़ने का अनुमान है। दुबई में हुई कॉप 28 शिखर सम्मेलन के इतर इस विषय पर चर्चा हुई है। यह जानकारी सूत्रों ने दी है। इस शिखर सम्मेलन में अधिकारियों के अलावा भारत की तेल कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी भी हिस्सा ले रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इस वित्त वर्ष 24 के पहले छह महीनों में भारत ने यूएई से 3.2 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया था जबकि बीते साल इसी अवधि में 9.35 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया था। इससे भारत के कच्चे तेल प्राप्त करने के शीर्ष 10 स्रोतों में यूएई से कच्चे तेल के आयात में सर्वाधिक 65 फीसदी की गिरावट आई।

सिप्ला की अनुषंगी ने अमेरिका में दवाई की एक खेप वापस मंगाई

नई दिल्ली । दवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सिप्ला की एक अनुषंगी ने पैकेट की सील सही से लगी नहीं होने पर अमेरिका में अपनी एक खेप वापस मंगाई है। मुंबई में मुख्यालय वाली दवा कंपनी ने कहा कि अमेरिका में इन्वाजेन फार्मास्युटिकल्स विगाबैट्रिन फॉर ओरल सॉल्युशन, यूएसपी (500 एमजी) दवा की सील सही से नहीं लगी होने के मामले के बाद खुद ही उपभोक्ता स्तर पर इसकी एक खेप वापस मंगा रही है। सील टूटने के कारण पैकेट से पाउडर फैलने लगा था। इसमें कहा गया कि पैकेट की सील सही से बंद नहीं होने से इसके अंदर से पाउडर गिरने का डर होता है, जिससे उसका वजन कम हो जाएगा है। सिप्ला ने कहा कि प्राथमिक रूप से इससे नवजात और युवा बच्चे प्रभावित हो सकते हैं। अगर दवाई कम हो गई और इन लोगों को उचित मात्रा में दवाई नहीं मिली तो इसके विपरीत प्रभाव हो सकते हैं।

चुनाव के दौरान वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री हुई प्रभावित

नई दिल्ली । वाहन उद्योग का कहना है कि चुनाव आचार संहिता के कारण नकदी के प्रचलन पर रोक लगने से त्योहारी अवधि के बाद वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री प्रभावित हुई है। चुनाव के दौरान नकदी लेनदेन की सीमा 2 लाख रुपये है। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों से पता चला है कि दीवाली वाले महीने यानी नवंबर में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री करीब 2 फीसदी घटकर 84,586 वाहन रह गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 86,150 वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री हुई थी। अक्टूबर के मुकाबले बिक्री में 4.64 फीसदी की गिरावट आई। फाडा के आंकड़े खुदरा बिक्री यानी डीलरों द्वारा ग्राहकों को की गई वास्तविक बिक्री को दर्शाते हैं। वाणिज्यिक वाहन बाजार की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स की बिक्री नवंबर में 8 फीसदी घटकर 29,700 वाहन रह गई। वाणिज्यिक वाहन बाजार में टाटा मोटर्स की बाजार हिस्सेदारी नवंबर तक 35 फीसदी थी। अशोक लीलैंड की बिक्री भी नवंबर में 9 फीसदी घटकर 12,946 वाहन रह गई। एक प्रमुख वाणिज्यिक वाहन कंपनी के अधिकारी ने इस संबंध में पूछे जाने पर कहा कि खुदरा स्तर पर स्टॉक में कुछ गिरावट के कारण केवल एक महीने के आंकड़े घटे हैं।

देश में इस साल ब्लू-कॉलर कर्मचारियों की नियुक्ति 7.4 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली।

देश में ब्लू-कॉलर कार्यबल में 2023 में नियुक्ति में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई जिसमें लॉजिस्टिक्स, निर्माण और रियल एस्टेट, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी शानदार नौकरी के अवसरों के लिए टॉप सेक्टर के रूप में उभरे। नियुक्ति में वृद्धि के मामले में कोलकाता लीडिंग मेट्रो सिटी के रूप में उभरा। पुणे और चंडीगढ़ रोजगार के अवसरों में पर्याप्त प्रगति प्रदर्शित करते हुए टॉप-टियर 2 शहर रहे।ग्लोबल मैचिंग और हायरिंग प्लेटफॉर्म इनडीड के अनुसार, एसएमबी की वृद्धि, शहरीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास, सर्विस सेक्टर का विस्तार और लागत प्रभावी श्रम बाजार सहित कई फैक्टर्स इन शहरों में बढ़ती नौकरी वृद्धि में योगदान दे रहे हैं। इनडीड इंडिया के बिक्री प्रमुख शशि कुमार ने कहा, 2023 में विशेष रूप से टियर-2 शहरों में नियुक्ति में पर्याप्त वृद्धि देखी गई। 2024 को देखते हुए, नई तकनीक अपनाने वाले संगठन उज्ज्वल भविष्य के लिए नौकरी चाहने वालों के बीच स्किल्स बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हैं।ब्लू-कॉलर नियोक्ताओं (49 प्रतिशत) ने 2023 में जनरेशन जेड टैलेंट (26 साल से कम उम्र वाले) की तलाश की, जबकि वाइट-कॉलर (41 प्रतिशत) ने मिलेनियल (27 से 41 की उम्र के) उम्मीदवारों की तलाश की। डिजिटल लिटरेसी (27 प्रतिशत) और फिजिकल स्ट्रेंथ (83 प्रतिशत) दोनों भी प्राइमरी हार्ड और सॉफ्ट स्किल्स में से हैं जिनकी नियोक्ता भर्ती करते समय इच्छा रखते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, इसके विपरीत, वाइट-कॉलर नियोक्ताओं द्वारा मिलेनियल भर्तियों के लिए प्राथमिकता उन कार्यों के लिए एक सूक्ष्म दृष्टिकोण का सुझाव देती है जिनके लिए एक्सपीरियंस और रिफाइन स्किल सेट की आवश्यकता हो सकती है। निष्कर्षों से यह भी पता चला कि नियोक्ता नेक्स्ट-जनरेशन की टेक्नोलॉजी को अपनाने के लिए तैयार हैं।42 प्रतिशत नियोक्ताओं ने 2024 में छोटे कदम उठाकर एआई के साथ एकीकरण शुरू करने में अपनी रुचि दिखाई, 19 प्रतिशत नियोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने पहले ही इसे लागू कर दिया है।

आरबीआई ने कर्ज माफी की पेशकश वाले विज्ञापनों पर जारी की चेतावनी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कर्ज माफी की पेशकश कर कर्जदारों को लुभाने वाले भ्रामक विज्ञापनों पर चेतावनी जारी की।ऐसी संस्थाओं द्वारा बिना किसी अधिकार के ऋण माफी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए सर्विस/लीगल फीस वसूलने की खबरें हैं। आरबीआई ने कहा कि ये संस्थाएं प्रिंट मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी ऐसे कई कैंपेन को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा, जनता को आगाह किया जाता है कि वे ऐसे झूठे और भ्रामक अभियानों का शिकार न बनें और ऐसी घटनाओं की रिपोर्ट कानून प्रवर्तन एजेंसियों से करें। यह भी हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ स्थानों पर, कुछ व्यक्तियों द्वारा अभियान चलाए जा रहे हैं, जो बैंकों से ली जाने वाली प्रतिभूतियों पर अपने अधिकारों को लागू करने के बैंकों के प्रयासों को कमजोर करते हैं। ऐसी संस्थाएं गलतबयानी कर रही हैं कि बैंकों समेत वित्तीय संस्थानों का बकाया चुकाने की जरूरत नहीं है। आरबीआई के बयान में कहा गया है, ऐसी गतिविधियां वित्तीय संस्थानों की स्थिरता और सबसे बढ़कर, जमाकर्ताओं के हितों को कमजोर करती हैं।

टाटा मोटर्स के कमर्शियल वाहनों की बढ़ेगी कीमत

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने कमर्शियल वाहनों की कीमत 1 जनवरी से तीन प्रतिशत तक बढ़ाने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वाणिज्यिक वाहनों की कीमतें बढ़ाने का फैसला उत्पादन लागत बढ़ने से पड़ रहे असर को कम करने के लिए लिया गया है। टाटा मोटर्स ने कहा कि यह मूल्य-वृद्धि सभी वाणिज्यिक वाहनों पर लागू होगी। इससे पहले मारुति सुजुकी, हुंदै मोटर इंडिया, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, होंडा और ऑडी जैसी यात्री वाहन विनिर्माता कंपनियों ने भी जनवरी से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजनाओं की घोषणा की है। वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर महिंद्रा एंड महिंद्रा के प्रवक्ता ने कहा था कि हमने पूरी कोशिश की है कि ग्राहकों पर बढ़ती लागत का बोझ नहीं बढ़े, लेकिन गुणवत्तापूर्ण वाहनों और सेवाओं की निरंतर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना हमारे लिए जरूरी है। इसके पहले कई अन्य वाहन विनिर्माता भी अगले साल से अपनी गाड़ियों के दाम बढ़ाने की घोषणा कर चुके हैं। जनवरी, 2024 से विभिन्न कंपनियों के कई मॉडल महंगे हो जाएंगे। इसमें टाटा की अल्टोज, हे रियर, नेक्सान, पंच,` टियागो के अलावा महिंद्रा की एक्सयूवी300, एक्सयूवी400, एक्सयूवी700, बोलेरो, स्को र्पियो, स्को र्पियो एन, और थार शामिल है। इसके अलावा मारुति की ऑल्टो, सेलेरियो, सियाज, डिजायर, ईको, अर्टिगा, ग्रैंड विटारा, इग्निस, स्विफ्ट, वैगनआर सहित होंडा की तमाम कारों के दाम भी बढ़ने वाले हैं।

सोमवार को पहली बार 70,000 के स्तर तक पहुंचा शेयर बाजार

निफ्टी 21,000 के स्तर के पार

मुंबई ।

मुंबई शेयर बाजार में कारोबारी हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को कुछ चुनिंदा बैंकिंग, मेटल और आईटी शेयरों में तेजी के दम पर घरेलू बेंचमार्क सूचकांक नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए। इस बीच ग्लोबल मार्केट में मिले-जुले रुझान देखने में मिले। सोमवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 103 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 28 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। व्यापक बाजारों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.9 फीसदी उछला, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.7 फीसदी बढ़ा। सेंसेक्स सोमवार को शुरुआती कारोबार में पहली बार 70,000 के स्तर को पार कर गया, जबकि निफ्टी 21,000 के स्तर के पार पहुंचा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा चालू वित्त वर्ष में वृद्धि पूर्वानुमान बढ़ाने और नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने के बाद प्रमुख सूचकांक शुक्रवार को अपने ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गए थे।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 102.93 अंक की बढ़त के साथ 69,928.53 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में सोमवार को 69,782.48 और 70,057.83 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 27.70 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,997.10 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में सोमवार को 20,923.70 और 21,026.10 के रेंज में कारोबार हुआ।

सोमवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 19 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे। सबसे ज्यादा मुनाफा अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 3.04 फीसदी चढ़ गए। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 11 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा,एचयूएल, मारुति और बजाज फिनसर्व सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान एक्सिस बैंक के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.26 फीसदी गिर गए।

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और जापान का निक्की लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में जर्मनी का डीएएक्स अपरिवर्तित रहा जबकि फ्रांस का सीएसी-40 लाभ में और लंदन का एफटीएसई नुकसान में रहा।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से 7 का मार्केट कैप 3.04 लाख करोड़ बढ़ा

- एचडीएफसी बैंक, एलआईसी सबसे अधिक लाभ में रहे

नई दिल्ली । देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बीते सप्ताह 3.04 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें एचडीएफसी बैंक और एलआईसी में सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले सप्ताह देश की टॉप 10 में से सात कंपनियों का मार्केट कैप 3,04,477.25 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसके पीछे शेयर बाजार में जारी तेजी की अहम भूमिका रही। इस सप्ताह मार्केट कैप में सबसे ज्यादा वृद्धि भारतीय जीवन बीमा निगम, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज में दर्ज की गई। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 74,076.15 करोड़ रुपये बढ़कर 12,54,664.74 करोड़ रुपये हो गया। एलआईसी का मार्केट कैप 65,558.6 करोड़ रुपये बढ़कर 4,89,428.32 करोड़ रुपये हो गया। गुरुवार को एलआईसी के शेयर 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंचते ही बीमा कंपनी ने पांच लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को छू लिया था। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 45,466.21 करोड़ रुपये बढ़कर 7,08,836.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस का मार्केट कैप 42,732.72 करोड़ रुपये बढ़कर 13,26,918.39 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मार्केट कैप 42,454.66 करोड़ रुपये बढ़कर 16,61,787.10 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक का मार्केट कैप 37,617.24 करोड़ रुपये बढ़कर 5,47,971.17 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का शेयर 15,916.92 करोड़ रुपये बढ़कर 6,18,663.93 करोड़ रुपये हो गया। वहीं दूसरी तरफ हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 9,844.79 करोड़ रुपये घटकर 5,92,414.19 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का 8,569.98 करोड़ रुपये घटकर 5,61,896.90 करोड़ रुपये रह गया।

फेड ने दरें कम कीं तो लंबी चलेगी चांदी की दौड़

नई दिल्ली । पिछले करीब एक साल में सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) ने 16.4 फीसदी का औसत रिटर्न दिया है, जबकि इसी दौरान गोल्ड ईटीएफ का रिटर्न 15.1 फीसदी ही रहा है। एडलवाइस असेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) ने पिछले दिनों सिल्वर ईटीएफ पेश किया है। पहले से चल रहे नौ ईटीएफ 2,845 करोड़ रुपये संभाल रहे हैं। लेकिन इन्हें अपने पोर्टफोलियो में शामिल करने से पहले निवेशकों को इस धातु की चाल-ढाल समझ लेनी चाहिए। चांदी की बढ़ती औद्योगिक मांग का इसकी हालिया दौड़ में बहुत बड़ा हाथ है। सिल्वर इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कैलेंडर वर्ष में चांदी की वैश्विक मांग 18 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। यह मांग गहनों, उद्योग और चांदी की छड़ों तथा सिक्कों समेत सभी श्रेणियों से आईं। 2022 में मांग के मुकाबले 23.77 करोड़ आउंस चांदी की कमी थी और इतनी कमी पहले कभी नहीं देखी गई। अनिश्चितता के दौर में सोने की ही तरह चांदी भी निवेश का सुरक्षित साधन मानी जाती है। जानकारों का कहना है कि औद्योगिक इस्तेमाल के साथ चांदी निवेश सुरक्षित रखने वाली कमोडिटी भी है। इस मामले में यह सोने का सस्ता विकल्प है। यह भी माना जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व अगले साल से ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देगा। मौद्रिक नीति में ढिलाई से डॉलर कमजोर हो सकता है। इससे कीमती धातुओं के बाजार में नई तेजी दिख सकती है। भविष्य में भी फेड ने जब-जब ब्याज दरें घटाई हैं तब-तब कीमती धातुओं का प्रदर्शन शानदार रहा है।

शहरी भारत की नौकरियों में कम होती जारी महिलाओं की हिस्सेदारी

वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में टूटे छह साल के रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

भारत के शहरी इलाकों में नियमित वेतन पर काम करने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी कम होती जा रही है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के लेटेस्ट तिमाही डेटा की एनालिसिस से पता चलता है कि वित्त वर्ष 24 की सितंबर तिमाही में नौकरियों को लेकर महिलाओं की हिस्सेदारी नए निचले स्तर पर पहुंच गई। इसकी मुख्य वजह यह भी है कि कंपनियां अब अपने कर्मचारियों को ऑफिस बुला रही हैं। पीएलएफएस डेटा की एनालिसिस से पता चला है कि नौकरियों पर काम करने वाली कुल महिलाओं में` नियेमित वेतन पर काम करने वाली महिलाओं की संख्या वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में घटकर 52.8 फीसदी हो गई है, जबकि वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में यह 54 प्रतिशत थी। जब से राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने वित्त वर्ष 2019 की तीसरी तिमाही में तिमाही के आधार पर पीएलएफएस सर्वे जारी करना शुरू किया है, यह पिछले छह सालों में किसी भी तिमाही में वेतन रोजगार में महिलाओं की सबसे कम हिस्सेदारी है। वित्तीय वर्ष 2011 की पहली तिमाही में मजदूरी के काम में महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 61.2 प्रतिशत थी। सर्वेक्षण से पता चला है कि स्व-रोजगार महिलाओं की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 39.2 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 40.3 प्रतिशत हो गई, जबकि आकस्मिक श्रमिकों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही 6.8 प्रतिशत के मुकाबले वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में मामूली बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो गई। नियमित वेतन या सैलरी वाले कामों में, श्रमिकों को नियमित रूप से फिक्स्ड वेतन मिलता है और आम तौर पर इसे एक कैजुअल वर्कर के रूप में काम करने या स्व-रोजगार के मुकाबले एक बेहतर रोजगार माना जाता है क्योंकि कैजुअल वर्कर या स्व-रोजगार में उन लोगों की भी गिनती कर ली जाती है जो कृषि क्षेत्रों में अवैतनिक घरेलू मदद के रूप में काम कर रहे हैं या एक छोटा सा उद्यम चला रहे हैं।

टाटा पावर, इंडियन ऑयल ने 500 ईवी चार्जिंग पॉइंट के लिए किया समझौता

नई दिल्ली।

टाटा पावर और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने देश भर में तेल विपणन कंपनी के पेट्रोल पंपों पर 500 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग पॉइंट शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। टाटा पावर के एक बयान के अनुसार, ये ईवी चार्जिंग पॉइंट मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु, अहमदाबाद, पुणे और कोच्चि जैसे प्रमुख शहरों के साथ-साथ मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, सलेम-कोच्चि हाईवे, गुंटूर-चेन्नई हाईवे जैसे प्रमुख राजमार्गों पर स्थापित किए जाएंगे। बयान में कहा गया है कि यह रणनीतिक सहयोग एक विश्वसनीय और विस्तृत इंटरसिटी चार्जिंग नेटवर्क बनाने पर केंद्रित है जो शहरों के बीच यात्रा करने वाले ईवी मालिकों के लिए रेंज की चिंता को कम करने में मदद करेगा। यह समझौता भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएम) द्वारा पिछले सप्ताह इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 7,000 चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद हुआ है। बीपीसीएल ने कहा, समझौते का उद्देश्य बीपीसीएल के व्यापक ईंधन स्टेशनों के नेटवर्क और सड़कों पर टाटा ईवी से टीपीईएम की जानकारी का लाभ उठाना है, ताकि टाटा ईवी मालिकों द्वारा अक्सर आने वाले स्थानों पर चार्जर स्थापित किया जा सके। इसके अलावा, बीपीसीएल ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए चार्जर के उपयोग पर जानकारी एकत्र करेगा।

लहसुन की कीमत 300 से 400 रुपए किलो

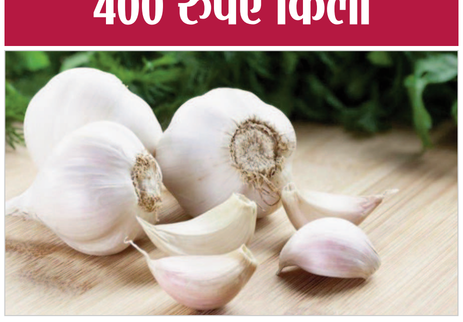

नई दिल्ली ।

लहसुन की कीमतों में लगातार उछाल आ रहा है। लहसुन अब आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगा है। रिटेल बाजार में लहसुन की कीमत 300 से 400 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। जानकारों के मुताबिक लहसुन की कीमतों में और उछाल देखने को मिल सकता है। मौसम की मार के चलते लहसुन की फसल खराब हुई है।

इसका असर लहसुन के उत्पादन पर पड़ा है। इस खराब फसल की वजह से आपूर्ति में गिरावट आई है। महाराष्ट्र में अब मुंबई के थोक व्यापारी गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान से लहसुन खरीद रहे हैं। इससे रसद लागत और बाकी स्थानीय शुल्क बढ़ गए हैं। इसका असर लहसुन की कीमतों पर पड़ा है। लहसुन की कीमतों में बेतहाशा इजाफा हुआ है। लहसुन की कम आपूर्ति के कारण पिछले कुछ हफ्तों में इसकी कीमत करीब दोगुना तक बढ़ चुकी है। व्यापारियों का अनुमान है कि स्थिति में जल्द सुधार नहीं होगा। अभी लहसुन की कीमतों में गिरावट के आसार नहीं हैं। वहीं उपभोक्ताओं को नए मूल्य स्लैब से भी परेशानी महसूस हो रही है, जो पिछले महीने एपीएमसी थोक यार्ड में 100-150 प्रति किलोग्राम के पिछले टैरिफ से 150-250 प्रति किलोग्राम पर बेचा जाता है। इस बदलाव ने खुदरा कीमत को अब 300 से 400 प्रति किलोग्राम तक पहुंचा दिया है। व्यापारियों के मुताबिक ऊटी और मालापुरम से आपूर्ति में काफी गिरावट आई है, जिससे महंगाई बढ़ गई है। पिछले महीने की तुलना में कीमतें इस सीजन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। इससे रसोई के बजट पर असर पड़ा है।

ओकिनावा को फेम-2 उल्लंघन मामले में नहीं मिलेगी राहत

-राहत देने से केंद्र सरकार ने किया इनकार

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओकिनावा ऑटोटेक इंटरनैशनल प्राइवेट लिमिटेड (ओकिनावा) को फेम-2 योजना के उल्लंघन मामले में अंतरिम राहत नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि उसने खुद 'स्वीकार' किया है कि उसने 'इस योजना का उल्लंघन किया है।' यह कहना है कि केंद्र सरकार का। दिल्ली उच्च न्यायालय में जाने वाली पहली मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) ओकिनावा ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर 116 करोड़ रुपये की वसूली के सरकार के निर्देश के खिलाफ रोक के आदेश की मांग की थी, जिसका उसने फेम योजना के तहत प्रोत्साहन के रूप में दावा किया था। ओकिनावा के एक वरिष्ठ वकील ने कहा कि कंपनी ने सरकार के खिलाफ एक रिट याचिका दायर की गई है, जिसमें अधिकारियों द्वारा गलत मांग और फेम2 योजना तथा उसके तहत जारी पत्र/अधिसूचनाओं की उनकी व्याख्या का विरोध किया गया है।

इस याचिका में फेम2 का प्रोत्साहन भुगतान हासिल करने में 15 महीने से अधिक की देरी के बारे में भी बताया गया है। याचिका पर अगली सुनवाई 18 दिसंबर को होनी है।अदालत में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एन वेंकटरमन ने कहा कि याचियों ने खुद कबूल किया है कि याची (ओकिनावा) ने फेम योजना का उल्लंघन किया है और चूंकि उन्होंने कबूल किया है, इसलिए वे अदालत से किसी भी अंतरिम राहत के हकदार नहीं हैं।एएसजी ने उस दस्तावेज की ओर भी इशारा किया, जो याची द्वारा 23 पुर्जों की सूची प्रदान करते हुए दिया गया है। इसमें ट्रैक्शन बैटरी पैक, डीसी-डीसी कनवर्टर चार्ज, ट्रैक्शन मोटर, व्हील रिम आदि शामिल हैं। एएसजी ने कहा कि यह सूची याचियों द्वारा दी गई है, जिसमें कहा गया है कि ये हिस्से आयात किए गए हैं और इसलिए याचियों का यह रुख कि साल 2021 तक केवल ऑनबोर्ड चार्जर, हब मोटर और मोटर कंट्रोलर ही आयात किए गए थे, सही नहीं है।

भारत ने जीती साख की लड़ाई, स्मृति मंधाना ने बचाई लाज

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा और आखिरी टी20 मुकाबला जीतकर खुद को क्लीनस्वीप से बचाया है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद ओपनर स्मृति मंधाना ने बैटिंग में धमाल मचाया। मंधाना की बेहतरीन पारी के बदौलत तीसरे टी20 में इंग्लैंड को 5 विकेट से हरा दिया। हालांकि जीत के बावजूद भारतीय टीम को 1-2 से सीरीज गंवानी पड़ी। इंग्लैंड ने शुरुआती दोनों टी20 जीतकर सीरीज पहले ही अपने नाम कर ली थी। अब भारत और इंग्लैंड की महिला टीमें एकमात्र टेस्ट मैच में भिड़ेंगी। इकलौता टेस्ट मैच 14 से 17 दिसंबर तक खेला जाएगा। इसके पहले इंग्लैंड की ओर से रख गए 127 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 6 गेंद शेष रहते हुए 5 विकेट पर 127 रन बनाए। मंधाना ने 48 गेंदों पर 5 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 48 रन की पारी खेली। वहीं जेमिमा रोड्रिग्स 33 गेंदों पर 29 रन की पारी खेलकर आउट हुईं। दीप्ति शर्मा 12 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। कप्तान हरमनप्रीत कौर 6 रन बनाकर नाबाद लौटीं। वहीं अमनजोत कौर ने 4 गेंदों पर नाबाद 10 रन की पारी खेली। इंग्लैंड ने कप्तान हीथर नाइट के 42 गेंदों पर खेली गई 52 रन की पारी के दम पर 126 रन बनाए। भारत की ओर से साइका इसाक और श्रेयांका पाटिल ने 3-3 विकेट चटकाए। रेणुका सिंह और अमनजोत कौर के खाते में दो दो विकेट गए।

क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से भिड़ने के लिए तैयार भारतीय टीम

कुआलालंपुर।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 के सेमीफाइनल में जगह पक्की करने की कोशिश करेगी, जब वे मंगलवार को यहां दूसरे क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से भिड़ेंगे। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम अपने तीसरे और अंतिम पूल सी गेम में कनाडा को 10-1 से हराने के बाद आत्मविश्वास के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेगी। इससे पहले टूर्नामेंट में भारत ने कोरिया को 4-2 से हराया था, लेकिन दूसरे मैच में स्पेन के खिलाफ उसे 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। छह अंकों के साथ पूल सी में दूसरे स्थान पर रहने के बाद भारत पूल डी तालिका में शीर्ष पर रहने वाले नीदरलैंड्स से भिड़ेगा। भारतीय जूनियर पुरुष टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, हमने इस विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया है। 10-1 की बड़ी जीत से निश्चित रूप से नॉकआउट चरण में हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। हम हमेशा की तरह अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से खेलना हैं। इस बीच, कोच सी.आर. कुमार ने कहा, खिलाड़ी अच्छी स्थिति में हैं और वो हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। हम एक समय में एक मैच पर ही ध्यान देना जारी रखेंगे। हां, क्वार्टर फाइनल एक बड़ा मैच है लेकिन यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके लिए लड़के तैयार नहीं हैं। टूर्नामेंट का

सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 14 और 16 दिसंबर को खेला जाएगा।

खतरनाक उछाल के चलते बिग बैश लीग का मैच रद्द

शिडनी ।

ऑस्ट्रेलिया में चल रहे बिग बैश लीग (बीबीएल) के चौथे मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉरचर्स की टीमें एक-दूसरे को टक्कर देने उतरीं। इस मुकाबले में बारिश से पिच में खतरनाक उछाल से बल्लेबाज ने हाथ खड़े कर दिए। बाउंस देख विकेटकीपिंग कर रहे साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी क्विंटन डि कॉक भी हैरान नजर आए। दोनों टीमों के बीच इस मुकाबले में कुल 6.5 ओवर्स का खेल हुआ। स्कॉचर्स ने महज 30 रन पर अपने 2 विकेट खो दिए थे। जिसके बाद सारी जिम्मेदारी जोश इंग्लिस और आरोन हार्डी पर आ चुकी थी। स्ट्राइक पर इंग्लिस ने 7 गेंदो का सामना किया। 5वीं गेंद अतिरिक्त उछाल के साथ विकेटकीपर क्विंटन डि कॉक के हाथों में गई। सूत्रों के मुताबिक फिंच ने कहा, जाहिर तौर पर अंपायर इस बात से चिंतित थे कि गेंदें यहां गीले पिच से कैसे उछल रही हैं। इसके अलावा

जिस गेंद पर खेल रोका गया उस बॉल को लेकर फिंच ने कहा, कि अगर यह किसी के शरीर या उसके सिर के पास जाती है तो यह कुछ बड़ी घटना हो सकती है। उन्होंने आगे कहा, 'आप किसी के गंभीर रूप से घायल होने का इंतजार नहीं करना चाहते। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह असुरक्षित है, लेकिन यह थोड़ा खतरनाक पक्ष है। यदि आप खिलाड़ी की सुरक्षा को देख रहे हैं और कुछ घटित होने और किसी के हिट होने का इंतजार कर रहे हैं, तो यह गलत रवैया है।

2019 के बाद भारतीय महिला क्रिकेट में आया बदलाव: गांगुली

मुंबई

भारत के पूर्व कप्तान और आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के वर्तमान क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली का मानना है कि देश में महिला क्रिकेट ने 2019 के बाद से पुरुषों की तुलना में अधिक प्रगति की है, खासकर जब से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) शुरू हुई है। सौरव गांगुली ने कहा, ÷यह एक बहुत बड़ा टूर्नामेंट है। यह पहले साल में जिस स्तर पर है उसे देखकर मैं बहुत खुश हूं। यह काफी समय से हमारे दिमाग में था, लेकिन कोविड के कारण ऐसा नहीं हो सका। लेकिन टूर्नामेंट ने महिला क्रिकेटरों के लिए शानदार काम किया। भारत में महिला क्रिकेट ने 2019 के बाद से जो प्रगति की है वह शायद पुरुष टीम से अधिक है। पुरुषों की टीम हमेशा बहुत अच्छी रही है। लेकिन, महिला टीम की यात्रा शानदार है। एशिया कप जीतने से लेकर, जिस तरह से उन्होंने विश्व कप और फिर राष्ट्रमंडल खेलों में प्रदर्शन किया, वह यादगार और अब तक का सर्वश्रेष्ठ था। गांगुली ने जियो सिनेमा से कहा, ÷उन्हें इस तरह आगे बढ़ते देखना, हरमनप्रीत, स्मृति, ऋचा, जेमिमा, शैफाली ने जिस तरह से प्रगति की है वह प्रभावशाली है। जब झूलन ने संन्यास लिया तो हमने सोचा कि अब अगला मुख्य सीमर कौन होगा। फिर जिस तरह से रेणुका ठाकुर ने पिछले तीन वर्षों में प्रदर्शन किया वह दमदार था। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली का मानना है कि इस साल की शुरुआत में उद्घाटन संस्करण में उपविजेता रहने के बाद यह भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी कि दिल्ली डब्ल्यूपीएल 2024 जीतने के लिए तैयार है या नहीं।

शुभमन गिल को मिला विराट कोहली के रिकॉर्ड तोड़ने का मौक

नई दिल्ली ।

शुभमन गिल साल 2023 में सबसे अधिक शतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर कर सकते हैं। शुभमन गिल 2023 में तीनों फॉर्मेट को मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर हैं। लेकिन शतक के मामले में वे विराट कोहली से पीछे हैं। हालों ` कि शुभमन गिल और विराट कोहली दोनों के लिए ही साल 2023 बेहतरीन रहा है। विराट कोहली ने इस साल कुल 8 शतक लगाए हैं, जो दुनिया के किसी भी बैटर से ज्यादा हैं। ज्यादा शतक लगाने की इस फेहरिश्त में शुभमन गिल (7) दूसरे नंबर पर हैं। विराट और शुभमन गिल के बीच सिर्फ एक शतक का फासला है। अगर शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 टी20 मैच या 3 वनडे मैच की सीरीज में एक शतक भी लगाते हैं तो वे विराट कोहली की बराबरी कर लेंगे। अगर शुभमन इन 6 मैचों में 2 शतक लगा दें तो विराट को पीछे छोड़ देंगे। फैंस जानते हैं कि विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 या वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगे।

कोहली सीधे टेस्ट सीरीज में जुड़ेंगे, जहां शुभमन भी उनके साथ होंगे। अब पूरी संभावना बन रही है कि शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर विराट के

मुकाबले 6 मैच ज्यादा खेलेंगे। साल 2023 में ज्यादा शतक लगाने की लिस्ट विराट कोहली और शुभमन गिल के बाद डेरिल मिचेल तीसरे नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने इस साल तीनों फॉर्मेट को मिलाकर 6 शतक लगाए हैं। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो और न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे 5-5 शतक लगाकर संयुक्त रूप से चौथे नंबर पर हैं। एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने 1998 में 12 शतक लगाए थे।

संक्षिप्त समाचार

फ्रेंचाइजी क्रिकेट जैसा ही खेले : सूर्यकुमार यादव

डरबन ।

टी-20 टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि मैंने खिलाड़ियों से कहा कि वे वैसा ही क्रिकेट खेले जैसा वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलते हैं। सूर्यकुमार ने रविवार को स्वीकार किया कि विश्व कप फाइनल में मिली निराशाजनक हार को भुलाना काफी मुश्किल है। भारतीय कप्तान ने हाल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला में मिली जीत को दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले टीम के लिए मनोबल बढ़ाने वाली करार दिया। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होने से पहले घरेलू मैदान पर पांच मैचों की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया को 4-1 से शिकस्त दी। गौरतलब है कि सूर्यकुमार चोटिल हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में टीम की अगुआई कर रहे हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 की पूर्व संध्या पर कहा कि विश्व कप की हार निराशाजनक थी और इसे भुला पाना काफी मुश्किल है। लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में मिली जीत मनोबल बढ़ाने वाली थी, हालांकि यह अलग प्रारूप में मिली थी। सूर्यकुमार ने कहा कि मैंने खिलाड़ियों से कहा कि वे वैसा ही क्रिकेट खेले जैसा वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलते हैं। सूर्यकुमार ने टीम संयोजन के बारे में कुछ नहीं बताया और कहा कि संयोजन हमारे दिमाग में है। हम जानते हैं कि कल कौन पारी का आगाज करेगा और शायद हम आज अभ्यास सत्र के बाद ही अंतिम फैसला करें। हां, हमारे पास छठे गेंदबाज के काफी विकल्प हैं। कप्तानी के बारे में उन्होंने कहा कि मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। बस खिलाड़ियों को एकजुट रखना होता है और यह ग्रुप काफी अच्छा है।

जनवरी में हो सकती हैं हार्दिक पांड्या की वापसी : जय शाह

नई दिल्ली। एक दिवसीय विश्वकप 2023 के दौरान चोटिल हुए हार्दिक पांड्या अब पूर्ण फिटनेस हासिल करने के करीब पहुंच गए हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह का कहना है कि हार्दिक जनवरी में टीम में वापसी कर सकते हैं। टीम इंडिया अभी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हैं जहां टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलना है। टी20 सीरीज में जहां सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर रहे हैं तो वहीं, वनडे की कप्तानी केएल राहुल को सौंपी गई है। हार्दिक को संभवतः टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम का कप्तान माना जा रहा है। ऐसे में विश्व कप से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में उन्हें मौका मिल सकता है। वहीं बीसीसीआई सचिव जय शाह ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि हार्दिक पांड्या जनवरी में यानी वह अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की टी20 सीरीज तक फिट हो सकते हैं। जय शाह के बयान से अंदेशा लग रहा है कि हार्दिक तेजी से फिटनेस हासिल करते जा रहे हैं। हार्दिक विश्व कप 2023 के दौरान चोटिल हो गए थे। जिसके चलते उनको पूरे टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। उसके बाद से वह टीम से बाहर हैं। माना जा रहा है कि हार्दिक पांड्या को लेकर बीसीसीआई कोई रिस्क लेने के मूड में नहीं है। बीसीसीआई 2024 और 2026 के टी20 विश्व कप के लिए हार्दिक पांड्या पर नजरें बनाए हुए हैं।

जिम्बाब्वे के कप्तान सिंकदर रजा समेत 2 पर लगा बैन

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिसंघ (आईसीसी) ने जिम्बाब्वे के कप्तान सिंकदर राजा पर 2 मैचों का प्रतिबंध लगा दिया है। सिंकदर राजा को आयरलैंड के खिलाफ मैच में आचार संहिता की लेवल-1 का उल्लंघन के दोषी पाए जाने के कारण 2 मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। खबरों के अनुसार जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हुए पहले टी20 मैच में रजा के अलावा आयरलैंड के खिलाड़ी कर्टिस केम्फर और जोस लिटिल को भी आईसीसी की आचार संहिता के उल्लघंन का दोषी पाया गया और इसके लिए उन दोनों पर भी 2 मैच खेलने पर पाबंदी लगाई गई है। जिम्बाब्वे के कप्तान रजा पर उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और 2 डिमेरिट अंक दिए गए है, जिसका अर्थ है कि उनके नवीनतम उल्लंघन के बाद 24 महीने की अवधि के भीतर उनके संचित डिमेरिट अंक चार तक पहुंचने के बाद उन्हें मौजूदा तीन मैचों की श्रृंखला के शेष 2 मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है। आईसीसी ने अपने एक बयान में कहा कि इन तीनों को आईसीसी आचार संहिता की लेवल-1 का उल्लंघन करते पाया गया था, जो 'खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है। हालांकि कप्तान रजा के शानदार खेल की बदौलत जिम्बाब्वे ने यह मैच 1 विकेट से जीत लिया था। आईसीसी द्वारा जारी किए गए बयान में कहा गया कि कैंपर और लिटिल पर उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है

और प्रत्येक को एक डिमेरिट अंक प्राप्त हुआ है, जो 24 महीने के भीतर एक मैच खेलने से वंचित रहेंगे।

कैंपर और लिटिल ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और आईसीसी मैच रेफरी के एमिरेट्स एलीट पैनल के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित मंजूरी को स्वीकार कर लिया और इस तरह से अब औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं रही। वहीं सिकंदर रजा ने भी अपनी गलती मान ली है, पर पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार नहीं किया है। इस मामले में शुक्रवार को औपचारिक सुनवाई में मंजूरी की पुष्टि की गई। कप्तान रजा ने कहा कि कैम्फर और लिटिल ने उस पर हमला करने के उद्देश्य से अपना बल्ला दिखाने और अंपायर को दूरी बनाने को बोला था। जिन्होंने स्थिति को शांत करने की कोशिश की थी। मैदानी अंपायर फोर्स्टर मुतिजवा और इकोनो चाबी, तीसरे अंपायर लैंगटन रूसेरे और चौथे अधिकारी क्रिस्टोफर फिरी ने आरोप लगाए।

टी20 आई में प्रबंधन परेशान, ईशान और जितेश के बीच अटका मामला

नई दिल्ली ।

ईशान और जितेश शर्मा को लेकर क्रिकेट प्रबंधन परेशान है। क्यों कि इनकी वरीयता को लेकर यह निर्णय नहीं हो पा रहा है कि इनमें से किसे रखा जाना चो हिए। बता दें कि क्रिकेट विश्व कप 2023 में फाइनल मुकाबला गंवाने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज 4-1 से जीती थी। इस सीरीज के दौरान भारतीय टीम ने कुछ नए प्लेयरों को चिन्हित किया। सलामी बल्लेबाज अच्छे रहे तो वहीं विकेटकीपिंग के लिए दो बार फिर से सामने आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाली तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज से पहले टीम इंडिया प्रबंधन पर ईशान किशन या जितेश शर्मा में से किसी एक चुनने की समस्या खड़ी हो गई है। ईशान किशन मेन इन ब्लू के लिए एक भरोसेमंद खिलाड़ी रहे हैं। ईशान ने क्रिकेट वनडे विश्व कप में 2 मैच खेले और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी तीन टी20 मुकाबलों में हिस्सा लिया। सीरीज के आखिरी 2 मैचों में जितेश शर्मा को मौका दिया गया। हालांकि जितेश ने इसका पूरा फायदा उठाया और प्रभावित करने में सफल रहे। अब टी20 विश्व कप के करीब आते ही प्रबंधन में किशन और जितेश में से किसी एक को प्लेइंग 11 में वरीयता देने की मुसीबत खड़ी हो गई है। पहले तीन मैचों में, इशान किशन नंबर 3 पर बल्ले से शानदार थे। उन्होंने बैक-टू-बैक अर्द्धशतक बनाए लेकिन तीसरे गेम में शून्य पर आउट हो गए। हालों कि जितेश शर्मा भी अलग नहीं थे। निचले क्रम में आकर उन्होंने फिनिशर की भूमिका निभाई और श्रृंखला के आखिरी दो मैचों में 19 में 35 और 16 गेंद में 24 रन बनाए। टी20 विश्व कप नजदीक आने के साथ ही दोनों खिलाड़ियों के लिए अपनी उपयोगिता साबित करना जरूरी है। 3 टी20 मैचों के लिए भारत की टीम में यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, इशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मो। सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी हुए बाहर, नहीं खेलेंगे एक भी मैच

डरबन । दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी बाएं टखने में मोच के कारण भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गए। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के एक बयान में कहा गया है कि 27 वर्षीय खिलाड़ी को टीम से रिलीज कर दिया गया है। हालों कि एनगिडी अपनी घरेलू टीम के पास लौटेंगे लेकिन दक्षिण अफ्रीका की मेडिकल टीम की निगरनी में रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे। एनगिडी को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को जानसन के साथ दक्षिण अफ्रीका के तेज आक्रमण का नेतृत्व करना था। टीम में उनकी जगह तेज गेंदबाज ब्यूरेन हेंड्रिक्स को शामिल किया गया है। 33 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेंड्रिक्स ने राष्ट्रीय टीम के लिए अपना पिछला मैच 2021 में टी20 प्रारूप में ही खेला था। उन्होंने 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 25 विकेट लिए हैं। गौरतलब है` कि भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज जीत से वापसी की। उस हार को पीछे छोड़ टीम इंडिया नए कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ खेलने उतरी और 5 मैचों की सीरीज में 4-1 से जीत दर्ज कर फैंस को खुश होने का मौका दिया।

युवराज सिंह को 2011 विश्वकप जीत का क्रेडिट नहीं मिला : गंभीर

नई दिल्ली ।

भारत ने अभी तक एक दिवसीय विश्वकप दो बार जीता है, दूसरी बार महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2011 में जीता था। भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने कहा है कि 2011 में भारत को विश्व कप जिताने में उनकी भूमिका के लिए पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को उचित श्रेय नहीं मिला है। युवराज ने 2011 विश्व कप में 362 रन बनाए और 15 विकेट हासिल किए। उन्होंने इस पूरी प्रतियोगिता में चार प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार मिला था, वही संख्या जो श्रीलंका के अरविंद डी सिल्वा ने 1996 में, दक्षिण अफ्रीका के लांस क्लूजनर ने 1999 में और हमवतन रोहित शर्मा ने 2019 में जीते थे। गौतम गंभीर ने कहा कि आप यह जानते हैं। आप कृपया मुझे बताएं कि एक खिलाड़ी युवराज सिंह जो 2011 में मैन ऑफ द टूर्नामेंट थे, कितने लोग उनके बारे में बात करते हैं। क्यों? शायद उनके पास कोई अच्छी पीआर एजेंसी नहीं है। शायद उनके लिए अंडररेटेड शब्द अनुचित है। इसे वास्तव में कम दिखाया गया है, यदि आप लोगों को नहीं दिखाएंगे, तो उन्हें पता नहीं चलेगा। अगर आप एक व्यक्ति को ही दिखाते रहेंगे, तो वह एक ब्रांड बन जाएगा।

विश्व कप 2011 फाइनल में 97 रन बनाने वाले गौतम गंभीर का मानना है कि अगर एक व्यक्ति को हर समय दिखाया जाएगा और बाकी को कम दिखाया जाएगा, तो केवल एक ही व्यक्ति को सारी सुर्खियां मिलेंगी और दूसरे व्यक्ति को श्रेय नहीं मिलेगा। वह इसके लायक है। गंभीर ने कहा कि अगर आज मेरे पास मशीनरी है और मुझे 2 व्यक्तियों को चुनना है, जहां मैं एक व्यक्ति को 2 घंटे और 50 मिनट के लिए और दूसरे व्यक्ति को केवल 10 मिनट के लिए दिखाऊंगा, तो 2 घंटे और 50 मिनट के लिए दिखाया गया एक व्यक्ति एक ब्रांड बन जाएगा। जब आपने दूसरे व्यक्ति को नहीं दिखाया, तो आपने दूसरे व्यक्ति को महत्व नहीं दिया। जब तक आप दूसरे व्यक्ति को महत्व नहीं देते तो देश उन्हें कैसे महत्व देगा। गौरतलब है कि गौतम गंभीर ने भारत के लिए 147 एकदिवसीय मैचों में 39.68 की औसत से 11 शतक और 34 अर्द्धशतक के साथ 5,238 रन बनाए हैं। वह 37 टी20 में 27.41 की औसत से 932 रन बना चुके हैं। वहीं उन्होंने 58 टेस्ट खेले हैं, जिसमें 41.95 की औसत से 4,154 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 104 पारियों में 9 शतक और 22 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 206 रहा। वह मार्च 2009 से अप्रैल 2010 के बीच लगातार 5 टेस्ट मैचों में शतक बनाने वाले एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने 2009 में आईसीसी टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता।

ट्रेविस हेड और नाहिदा बने नवंबर 2023 आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली।

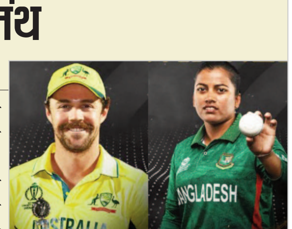

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड और बांग्लादेश की ऑलराउंडर नाहिदा अख्तर को नवंबर 2023 के लिए पुरुष और महिला वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। ट्रेविस हेड ने ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाने के लिए हमवतन ग्लेन मैक्सवेल और भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को पछाड़ा। जबकि नाहिदा ने हमवतन फरगाना हक और पाकिस्तान की सादिया इकबाल को पीछे छोड़ दिया।दक्षिण अफ्रीका पर सेमीफाइनल और अहमदाबाद में भारत पर ब्लॉकबस्टर फाइनल जीत में ऑस्ट्रेलिया को छठा वनडे विश्व कप खिताब दिलाने में मदद करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के योगदान के बाद हेड को यह सम्मान मिला। दूसरी ओर, नाहिदा ने पिछले महीने मीरपुर में पाकिस्तान पर अपनी टीम की करीबी जीत में विपक्षी बल्लेबाजों को छकाने के बाद अपना पहला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीता।

विकसित भारत संकल्प यात्रा पलसाना तालुका के करालागाम में पीआईबी की अतिरिक्त महानिदेशक समीमा सिद्दीकी की अध्यक्षता में आयोजित की गई

सूरत। केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाने के इरादे से सूरत जिले के पलसाना तालुक के करालागाम में पीआईबी की अतिरिक्त महानिदेशक श्रीमती समीमा सिद्दीकी की अध्यक्षता में %विकित भारत संकल्प यात्रा% का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री भाविनीबेन पटेल की प्रेरक उपस्थिति रही

विकसित भारत संकल्प यात्रा का भव्य स्वागत किया गया और विकसित भारत का संकल्प लिया गया।प्रदर्शन के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी नागरिकों को दी गई। नए लाभार्थियों का भी पंजीकरण किया गया।

इस अवसर पर पीआईबी की अतिरिक्त महानिदेशक श्रीमती समीमा सिद्दीकी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार हमेशा हाशिए पर रहने वाले गरीबों, मध्यम वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए प्रयासरत रही है। सरकार की योजनाएं हमारे लिए ही हैं जिसका सभी को लाभ उठाना चाहिए, इस संकल्प रथ के बारे में सभी लोगों को जानकारी दी जाए और सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ अन्य लोगों को भी दिया जाए और उनसे भारत संकल्प से जुड़ने की अपील की जाए यात्रा करें और उससे लाभ उठायें।

उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों से अनुरोध किया कि वे पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में आईसीडीएस विभाग से, स्वास्थ्य विभाग से विभिन्न स्वास्थ्य उन्मुखी योजनाओं के बारे में तथा कृषि विभाग से संबंधित सभी योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन लें। कृषि।

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी की वर्चुअल मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण उपस्थित सभी लोगों ने देखा.

इस अवसर पर पलसाना तालुक के अध्यक्ष श्री योगेशभाई पटेल, एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री भरतभाई राठौड़, जिला पंचायत सदस्य श्री काजलबेन चौधरी, रमेशभाई राठौड़, एसोसिएशन के महासचिव श्री जिगरभाई नायक, नेता अशोकभाई राठौड़, कामरेज प्रांत अघिकारीश्री, डिप्टी डी.डी.ओश्री, तालुका विकास अधिकारी, सरपंचश्री भारतीबेन वशिश्री। बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्कूली छात्र उपस्थित थे।

पहली बार पांजरापोलो में एक ही दिन में 5 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक जीवदया का काम पूरा किया

सूरत- हीरा और कपड़ा क्षेत्र के लिए जाना जानेवाला सूरत अब जीवदया के पांच करोड़ के ऐतिहासिक दान के लिए जाना जाएगा। युगप्रधान आचार्यसम पन्यास श्री चन्द्रशेखरविजयजी म.सा. प्रेरित श्री सहस्त्रफना पार्श्वनाथ ट्रस्ट (सूरत), साथ ही वर्धमान संस्कार धाम (मुंबई) जैन संस्थान द्वारा विशाल, विशाल एवं ऐतिहासिक जीवदया क्षेत्र का कार्य सूरत वेसु स्थित ओंकारसूरि आराधना भवन वेसु में संपन्न हुआ। इन दोनों जैन संगठनों ने अपने संयुक्त तत्वावधान में 200 से अधिक पंजरापोलो को 5 करोड़ से अधिक का दान दिया। यह कार्य मितव्ययी जीवन को प्रोत्साहित करने तथा पशुओं की सहायता करने के उद्देश्य से किया गया था। गुजरात, सौराष्ट्र और महाराष्ट्र के विभिन्न पांजरापोलो में दान पहुंचाया गया। इस कार्य से 2 लाख से अधिक अबोल मवेशियों को भोजन मिलेगा। यह भव्य आयोजन सूरत के वेसू स्थित ओंकारसूरी आराधना भवन में आयोजित किया गया। परम पूज्य भक्ति योगाचार्य श्री यशोविजयसूरीश्वरजी महाराज की पावन निश्रा प्राप्त हुई। इसके अलावा वैराग्यवारिधि कुलचंद्रसूरीश्वरजी म.सा., श्री रश्मीरत्नसूरीश्वरजी म.सा., श्री भव्यकीर्ति सूरीश्वरजी म.सा. अन्य साधू और साध्वी जी भगवंत भी उपस्थित थे। इस कार्य में जैन धर्म के सभी श्रेष्ठजनों के साथ-साथ पांजरापोल के कार्यकर्ता और ट्रस्टी भी शामिल हुए और इसकी सुंदरता को बढ़ाया। निर्णय लिया गया कि हम हर साल इसी प्रकार पांजरापोलो में घास और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए काम करेंगे।

गुजराती संगमः दुनिया भर के गुजराती समुदायों के लिए विशेष रूप से एक क्रांतिकारी विवाह सेवा

सूरत । वैवाहिक आनंद की तलाश में विशिष्ट समुदायों को एक साथ लाने के लिए तैयार किया गया एक विशेष प्लेटफॉर्म 'गुजराती संगम' वैवाहिक परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए तैयार है। यह नई सेवा सदस्यों को उच्च गुणवत्ता, सुरक्षित और सफलता उन्मुख वैवाहिक अनुभव प्रदान करने का दावा करती है जिसे गुजराती माता-पिता और योग्य सिंगल द्वारा प्यार और भरोसा जरूर मिलेगा। सेवा की प्रमुख नई विशेषताओं में शामिल हैं - 100त्न वैरिफाइड प्रोफ़ाइल, केवल वैरिफाइड तस्वीरों वाली प्रोफ़ाइल, हर सप्ताह सुनिश्चित नई प्रोफ़ाइल और साथ ही सदस्यता अवधि के दौरान मानवीय सहायता और समर्थन। यह प्लेटफॉर्म दुनिया भर में गुजराती समुदायों की अनूठी प्राथमिकताओं को पूरा करने, उनके अपने सांस्कृतिक संदर्भ में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है।

ऑनलाइन मैचमेकिंग के गतिशील परिदृश्य में, गुजराती संगम भारत की पहली और एकमात्र 100त्न वैरिफाइड, प्रीमियम विवाह सेवा होने का संकल्प लेता है। उपयोगकर्ता की पहचान को प्रमाणित करके इसका उद्देश्य संदिग्ध प्रोफाइल से निपटने और ऑनलाइन मैचमेकिंग को सुरक्षित बनाने का मार्ग प्रशस्त करना है।

पीपल ग्रुप के संस्थापक और सीईओ अनुपम मित्तल ने बताया कि, "गुजराती संगम को समुदाय-विशिष्ट यूनियनों की तलाश करने वालों के लिए उपयोगकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता, सुरक्षित और अनुकूलित अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। संगम ब्रांड नाम स्वयं गुजराती समुदाय के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है और व्यक्तियों को जीवन भर के लिए सार्थक रिश्तों की खोज करने और वास्तविक, समान विचारधारा वाले जीवनसाथी के मिलन को सुनिश्चित करने में मदद करने का वादा करता है।"

गुजराती संगम Shaadi.com की ओर से एक नई सेवा है और कड़े गोपनीयता और सुरक्षा उपायों की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह किसी भी संभावित धोखाधड़ी वाले खातों को खत्म करने के लिए विशेषज्ञ द्वारा संचालित बेकग्राउन्ड जांच सहित एक कठोर वैरिफिकेशन प्रक्रिया को नियोजित करता है जो उपयोगकर्ताओं को एक सुरक्षित और विश्वसनीय ऑनलाइन मैचमेकिंग अनुभव प्रदान करता है।

शॉपर्स स्टॉप ने सूरत में अपना दूसरा स्टोर खोला

सूरत।

भारत के प्रीमियम फैशन, सौंदर्य और उपहार का सर्वव्यापी स्थल- शॉपर्स स्टॉप, गुजरात के जीवंत शहर सूरत में आशीर्वाद हाई स्ट्रीट, सिटी लाइट पर अपना दूसरा स्टोर खुलने की घोषणा करते हुए रोमांचित हो रहा है। शॉपर्स स्टॉप इस नए स्टोर के बल पर, डायमंड सिटी में अपना खुदरा फुटप्रिंट फैलाएगा तथा शहर के संपन्न निवासियों को बेजोड़ शॉपिंग का अनुभव प्रदान करेगा।

शॉपर्स स्टॉप लिमिटेड के कस्टमर केयर एसोसिएट, कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ श्री कवींद्र मिश्रा ने सूरत में अपना दूसरा स्टोर लॉन्च होने को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा- "यह विस्तार, एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के सहारे बढ़ रहे बाजार के रूप में, सूरत की अहमियत पर मुहर लगाते हुए, खरीदारी का अद्भुत अनुभव प्रदान करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है। हम टियर-2 व टियर-3 वाले शहरों के परिवारों की अनोखी जरूरतें पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। फैशन को पुनर्परिभाषित करना और सूरत की खुलती दास्तान का स्थायी किरदार बन जाना हमारा लक्ष्य है।"

ग्राहक सूरत के इस स्टोर पर, शॉपर्स स्टॉप के संपूर्ण अनुभव का आनंद ले सकते हैं। पर्सनल शॉपर्स की मौजूदगी एक गहरा और निजी लगाव वाला ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करती है। शॉपर्स स्टॉप बड़े गर्व के साथ, इस सेवा से जुड़ा आलीशान पर्सनल शॉपर्स लाउंज पेश करता है, जिसे ग्राहकों को बेमिसाल मेहमाननवाजी में डुबो बारीकी से गढ़ा गया है। ब्रांडों के हमारे घराने से पेश किए जा रहे खास कलेक्शन के विविधतापूर्ण संकलन का घूंघट हटाएं, जिसमें हर चीज को आपकी प्राथमिकताओं वाली विशिष्ट शैली के अनुरूप डिजाइन किया गया है। शॉपर्स स्टॉप का प्रीमियम सदस्यता प्रोग्राम- फर्स्ट सिटीजन क्लब, ग्राहकों को बेहद खास लाभों की दुनिया में प्रवेश देकर, उनकी वफादारी को कायम रखने की कोशिश करता है।

शॉपर्स स्टॉप भारत में तेजी से बढ़ते खुदरा उद्योग की सेवा करने के लिए लगातार विकसित होता चला गया है। नए स्टोर में एक ही छत के नीचे कई श्रेणियों में फैले 500 से ज्यादा बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और इक्सक्लूसिव ब्रांड मौजूद हैं। आधुनिक फैशनप्रेमियों को इस स्टोर में एक जोरदार लाइनअप मिल जाएगी, जिसमें एएनडी, वेरो मोडा, कवर स्टोरी, लेवीज़, पेपे, रैंगलर, यूसीबी, जैक एंड जोन्स, सेलियो, रेयर रैबिट और पेपरमिंट जैसे प्रीमियम एवं बेहद लोकप्रिय ब्रांड शामिल हैं। खूबसूरती और खुशबू के दीवानों के लिए यह स्टोर- कैरोलिना हेरेरा, पाको रबैन, अरमानी और प्रादा जैसे ब्रांडों की पेशकश करेगा। टाइमपीस के शौकीन- कैसियो, फॉसिल, टॉमी हिलफिगर और टाइटन के दिलकश ब्रांडों की छानबीन कर सकते हैं। खरीदार लोग कुलीनता और स्टायल की दुनिया में खो जाने के लिए आमंत्रित हैं।

खुद को स्टायल, लग्जरी और निजी लगाव वाली सेवा की दुनिया में विलीन कर दें। बस आपके लिए ही तैयार किए गए बेहतरीन ब्रांडों और सेवाओं के साथ शॉपिंग का आनंद लें। मिलते हैं- शॉपर्स स्टॉप, आशीर्वाद हाई स्ट्रीट, सिटी लाइट पर।

एसकेएफ ने जालसाजी विरोधी गतिविधियों पर अपने अभियान के तहत सूरत, गुजरात में नकली उत्पादों को जब्त करने की घोषणा की

सूरत।

एसकेएफ इंडिया ने अपने ग्राहकों को वास्तविक और विश्वसनीय उत्पाद सुनिश्चित करने की चल रही पहल के तहत, सूरत के मुख्य असर बाजार में तीन नकली विक्रेताओं से "एसकेएफ" चिह्नित कई उत्पादों को जब्त करने की घोषणा की।

अधिकारियों के साथ साझा की गई प्रारंभिक जानकारी के आधार पर, गहन जांच की गई और फिर प्रवर्तन कार्रवाई की योजना बनाई गई। यह छापेमारी एसकेएफ इंडिया के सहयोग से स्थानीय पुलिस अधिकारियों द्वारा की गई थी। औद्योगिक (मुख्य रूप से कपड़ा उद्योग) और ऑटोमोटिव अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार और आकार के नकली एसकेएफ पैक किए गए बीयरिंगों की एक बड़ी संख्या जब्त की गई।

नकली बीयरिंग हाल के वर्षों में एक चुनौती बन गई है और सभी बाजार अब सभी ब्रांडों के इन घटिया गुणवत्ता वाले उत्पादों को अनजाने में प्राप्त करने के प्रति संवेदनशील हैं। ये नकली उत्पाद अनियोजित शटडाउन के कारण उत्पादन और अन्य नुकसान का कारण बन सकते हैं। बिक्री में कमी और छवि की हानि इसके कुछ परिणाम हैं, जबकि नकली उत्पादों से होने वाले कुल वित्तीय नुकसान की गणना करना मुश्किल है।

एसकेएफ इंडियनकली उत्पादों के प्रति कोई सहिष्णुता नहीं दिखाता है और नकली उत्पादों को बाजार से दूर रखने के लिए कड़ी मेहनत करता रहता है। एसकेएफ इंडिया अपने ग्राहकों को असली बियरिंग खरीदने के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए काम करता है। छापेमारी अंतिम उपभोक्ताओं से मिली सूचना के आधार पर की गई थी, जिन्हें नकली बियरिंग के कारण उत्पाद का नुकसान हुआ था।

मिंत्रा ईओआरएस-19 सभी श्रेणियों में 23 लाख से अधिक शैलियों के साथ मौजूद है

भारत के सबसे बड़े फैशन शॉपिंग कार्यक्रमों में से एक, मिंत्रा की एंड ऑफ रीज़न सेल (ईओआरएस) का 19वां संस्करण, देश भर में लाखों फैशन प्रेमियों को लुभाने के लिए, शादी, पार्टी और छुट्टियों के मौसम के बिलकुल ठीक समय पर लौटने के लिए तैयार है। 6000 से अधिक प्रसिद्ध अंतराष्ट्रीय, घरेलू और डी2सी ब्रांडों के फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल के 23 लाख से अधिक प्रोडक्ट्स को फीचर करता यह संस्करण एक बेहतरीन स्केल पर खरीदारी के बेहतर अनुभव का वादा करता है।

ईओआरएस के 19वें संस्करण के बारे में बात करते हुए, मिंत्रा की हेड ऑफ ग्रोथ एंड रेवेन्यू, नेहा वाली ने कहा, "मिंत्रा की एंड ऑफ रीज़न सेल की स्थायी लोकप्रियता हमें लगातार अपने ग्राहकों के लिए कुछ नया करने के लिए प्रेरित करती है, जो उत्सुकता से ईओआरएस के प्रत्येक संस्करण के साथ अपने स्टाइल को बेहतर बनाने के लिए उत्सुक रहते हैं। । भारत के ट्रेंड-फर्स्ट ग्राहकों को एक बेहतरीन खरीदारी अनुभव प्रदान करने के हमारे प्रयास में, ईओआरएस-19 खरीदारों की मांगों को पूरा करने के लिए एक टॉप सिलेक्शन लाएगा। इस शॉपिंग महाकुंभ के दौरान लगभग 1 मिलियन नए ग्राहकों के प्लेटफार्म पर आने की उम्मीद है, इस कार्यक्रम में भारतीय पहनावे , ब्यूटी , ट्रेवल , फुटवियर , होम और वेस्टर्न ड्रेसेस और पार्टी सहित विभिन्न श्रेणियों के ब्रांडों द्वारा शानदार पेशकश देखने को मिलेगी, जिससे ग्राहकों के खरीदारी अनुभव निश्चित रूप से आनंदमय होगी।"

ईओआरएस 19 के दौरान जिन श्रेणियों पर ग्राहकों का ज्यादा ध्यान आकर्षित होने की उम्मीद है, उनमें पुरुषों के कैजुअल कैजुअल वियर, पुरुषों और महिलाओं के एथनिक, महिलाओं के वेस्टर्न वियर, ब्यूटी और पर्सनल केयर, घड़ियां और वियरेबल्स , विंटर एसेंशियल, एक्सेसरीज, स्पोर्ट्स फुटवियर और किड्स वियर शामिल हैं। कई ब्रांडों में एच एंड एम, नाइकी, एडिडास, मैक, जैक एंड जोन्स, लेवीज, लैक्मे, रेयर र-ैबिट, प्यूमा, बोट, वाइल्डक्राफ्ट, मेबेलिन, वनप्लस, मैंगो, फॉरएवर 21 और रोडस्टर शामिल हैं।

शादीः शादी के मौसम की शुरुआत के साथ, प्लेटफार्म ने मसाबा, तरूण तहिलियानी, त्वामेव और अन्य जैसे टॉप डिजाइनर ब्रांडों के ड्रीमी कलेक्शन्स स्वपनमय संग्रह के साथ अपनी वेडिंग ऑफरिंग्स बढ़ा दी है। हल्दी, संगीत, कॉकटेल पार्टियों और बैचलरेट सहित अलग-अलग अवसरों के लिए टॉप फैशन ट्रेंड निश्चित रूप से शॉपरस की तस्वीरों को आकर्षक बनाएंगे। शादी के सीज़न के कुछ ट्रेंडिंग स्टाइल, जिनमें महिलाओं के लिए लगभग 2 लाख स्टाइल हैं, उनमें प्रिंटेड फ्यूज़न लहंगा, पेस्टल लहंगा, रेडी टू वियर साड़ियां, लेयर्ड को-ऑर्ड्स आदि शामिल हैं। मिंत्रा पर इंडियन वियर केटेगरी में 4.5 लाख से अधिक स्टाइल की रेंज है, जिसमें अनोउक, बीबा, डबलयू जैसे ब्रांड और कोस्की और सुता जैसे डिज़ाइनर लेबल शामिल हैं। एल्डो, पोलो राल्फ लॉरेन और कार्ल लेगरफेल्ड जैसे ब्रांडों के संग्रह के अलावा, खरीदार विक्टोरिया सीक्रेट के नए लॉन्च किए गए हैंडबैग के साथ अपनी शादी के लुक को पूरा कर सकते हैं।

हितेन भुटाः आज की दुनिया के लिए प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संयोजन

गुजरात।

हितेन भुटा एक अद्वितीय दृष्टिकोण के साथ आदि शंकराचार्य की प्राचीन शिक्षाओं को 21वीं सदी में लाने वाले एक दूरदर्शी के रूप में उभरे हैं। उनका काम, जिसमें 121 गहन अध्ययन सत्र आयोजित करना शामिल था, इन कालातीत शिक्षाओं को पुनर्जीवित करने की उनकी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। भुटा को जो चीज अलग करती है, वह इन प्राचीन दर्शनों को तंत्रिका विज्ञान और क्वांटम भौतिकी की आधुनिक वैज्ञानिक अवधारणाओं के साथ बुनने की उनकी क्षमता है, जो उन्हें समकालीन दर्शकों के लिए अधिक समझने योग्य और प्रासंगिक बनाती है।

आत्म शतकम् श्रृंखलाः भौतिक अस्तित्व से परे एक यात्रा

अपनी आत्म शतकम श्रृंखला में, भूत व्यक्तियों को भौतिक शरीर से परे अपने अस्तित्व का अनुभव करने में मदद करने के लिए व्यावहारिक कदम प्रदान करता है। इससे पता चलता है कि हमारे कई स्वास्थ्य, पारिवारिक, सामाजिक और वैश्विक मुद्दे इस धारणा से उत्पन्न होते हैं कि हम केवल हमारे शरीर हैं। भूता का तर्क है कि भौतिक सीमाओं से परे अपनी वास्तविक प्रकृति को पहचानकर, हम मुक्ति की भावना प्राप्त कर सकते हैं।

आत्मज्ञानः अनंत स्व का एहसास

आत्मबोध श्रृंखला, जिसमें 68 छंद शामिल हैं, मानव स्व की गहन प्रकृति को पहचानती है। भूता इसे सृजन के एक स्थान के रूप में वर्णित करता है, जहां हम एक निश्चित पहचान या भौतिक रूप तक सीमित नहीं हैं। इसके बजाय, हम एक विशाल, अनंत अस्तित्व का हिस्सा हैं। इस श्रृंखला के माध्यम से, भुटा हमारी अनंत ऊर्जा और ज्ञान का दोहन करते हुए, हमारे सार से जुड़ने के कदम साझा करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)